भीम प्रज्ञा अलर्ट

जब समाज में बदलाव की शुरुआत करनी हो, तो सबसे पहले अपनी सोच को ईमानदार बनाना पड़ता है– क्योंकि सही सोच से ही सही व्यवस्था जन्म लेती है।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-71 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 31 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

जब जनप्रतिनिधि पद नहीं, संकल्प बन जाए – हॉकी वाली सरपंच नीरू यादव की विकास गाथा

लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि का पद यदि सेवा, संवेदना और संकल्प से जुड़ जाए, तो वही पद इतिहास रच देता है। झुंझुनूं जिले की ग्राम पंचायत लांबी अहीर की 'हॉकी वाली सरपंच' नीरू यादव ने यह सिद्ध कर दिया है कि सरपंची केवल सरकारी योजनाओं की फाइलें आगे बढ़ाने का नाम नहीं, बल्कि समाज के भविष्य की नींव रखने का माध्यम भी हो सकती है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। जब सरपंच नीरू यादव को लोकप्रिय टीवी कार्यक्रम कौन बनेगा करोड़पति में खेलने का अवसर मिला और उन्होंने पुरस्कार राशि अर्जित की, तब उनके सामने निजी सुख-सुविधाओं के कई रास्ते खुले थे। लेकिन उन्होंने वह रास्ता नहीं चुना जो अक्सर लोग चुन लेते हैं। उन्होंने अपने इनाम की पूंजी को निजी हितों में खर्च करने के बजाय जनकल्याण में निवेश करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। यही वह मोड़ था, जहां से नीरू यादव एक सरपंच से 'लोक प्रेरणा' बन गईं। उन्होंने गांव में सरकारी स्कूल में शहीद सुरेश सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लांबी सड़क में इंग्लिश मीडियम प्ले स्कूल व बाल वाटिका का निर्माण कर न केवल एजुकेशन मॉडल प्रस्तुत क्या है बल्कि नन्हे-मुन्ने बच्चों को समर्पित किया। यह केवल एक भवन नहीं, बल्कि ग्रामीण शिक्षा में आत्मविश्वास का बीज था। शिक्षा को मजबूत करने के लिए उन्होंने केवल स्कूल तक सीमित न रहकर 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले ग्रामीण बच्चों के लिए अपने खर्चे से परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाई, ताकि दूरी और गरीबी शिक्षा में बाधा न बने। यह निर्णय बताता है कि उनके लिए शिक्षा आंकड़ों की नहीं, अवसर की लड़ाई है।

नीरू यादव का मानना है कि अंग्रेज़ी शिक्षा किसी खास वर्ग की बपौती नहीं होनी चाहिए। आदित्री फाउंडेशन एनजीओ के माध्यम से उन्होंने 'Education for All' की अवधारणा को जमीन पर उतारा। उनका लक्ष्य स्पष्ट है–गरीब से गरीब परिवार का बच्चा भी आत्मविश्वास से अंग्रेज़ी बोले, आधुनिक ज्ञान से जुड़े और भविष्य में रोजगार व उद्यमिता की सीढ़ियां चढ़ सके। खेल-खेल में शिक्षा, बुक-फ्री एजुकेशन और बेसिक के साथ व्यापारिक ज्ञान की समझ–यह सब उनके प्ले स्कूल की विशेषताएं हैं। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी सरपंच नीरू यादव ने अनुकरणीय कार्य किए हैं। ग्राम पंचायत को प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में उन्होंने 'फ्रेंडली विलेज डेवलपमेंट' की अवधारणा अपनाई। बर्तन बैंक की स्थापना कर प्लास्टिक उपयोग पर रोक लगाई, महिलाओं के स्वयं सहायता समूह बनाए और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए योजनाएं शुरू कीं। यह केवल स्वच्छता अभियान नहीं, बल्कि सोच में बदलाव का आंदोलन है।

लांबी अहीर ग्राम पंचायत का मुक्तिधाम आज पूरे क्षेत्र में एक आदर्श के रूप में देखा जा रहा है। जहां आमतौर पर मुक्तिधाम डर और उदासी का प्रतीक माने जाते हैं, वहां नीरू यादव ने इसे आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक सद्भाव और सकारात्मक संदेशों से सुसज्जित एक सुंदर उद्यान का रूप दे दिया। दीवारों पर लिखे विचार, हरियाली और सुव्यवस्थित परिसर इस सत्य को सहज और सम्मानजनक रूप में स्वीकार करने की प्रेरणा देते हैं। खेलों के क्षेत्र में उनका योगदान विशेष उल्लेखनीय है। स्वयं हॉकी खिलाड़ी होने के कारण उन्होंने बालिकाओं को खेलों के प्रति प्रेरित किया। अपने निजी खर्च और पंचायत मानदेय का उपयोग कर शारीरिक शिक्षकों का प्रशिक्षण कराया, नियमित अभ्यास की व्यवस्था की और गांव की बेटियों को हॉकी के मैदान तक पहुंचाया। परिणामस्वरूप, गांव की बालिकाएं राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचीं। यह केवल खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि बेटियों के आत्मसम्मान और पहचान की जीत है। नीरू यादव ने पंचायत राज संस्थाओं की भूमिका को डिजिटल युग से भी जोड़ा। सोशल मीडिया पर 'पंचायत सीरीज' के माध्यम से उन्होंने अपने कार्यों का पारदर्शी प्रसारण किया। इससे न केवल आम जनता जागरूक हुई, बल्कि देशभर की कई महिला सरपंच प्रतिनिधियों को सीखने और सशक्त होने का मंच मिला। आज जब राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर द्वारा इस अभिनव प्ले स्कूल का उद्घाटन होने जा रहा है, तो यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उस सोच की मान्यता है जो कहती है–जनप्रतिनिधि अगर चाहे, तो गांव भी मॉडल बन सकता है। हॉकी वाली सरपंच नीरू यादव की यह यात्रा हमें यह सिखाती है कि नेतृत्व पद से नहीं, दृष्टि से पहचाना जाता है। उनका कार्यकाल आने वाली पीढ़ियों के लिए एक जीवंत उदाहरण है कि राजनीति सेवा बन जाए, तो गांव भी भविष्य गढ़ सकता है।

SI भर्ती-2016: अभ्यर्थियों के शारीरिक मापदंड में अनियमितता मामले में बहस पूरी, फैसला सुरक्षित

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । एसआई भर्ती: 2016 में कुछ अभ्यर्थियों की शारीरिक मापदंड में अनियमितता को चुनौती देने के मामले में हाईकोर्ट में पक्षकारों की बहस शुक्रवार को पूरी हो गई। अदालत ने पक्षकारों की बहस के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस अशोक कुमार जैन ने यह निर्देश शारीरिक दक्षता मानकों को पूरा करने वाले अभ्यर्थियों की याचिका पर दिया। अदालती आदेश के पालन में तत्कालीन एडीजीपी (पदोन्नति व भर्ती बोर्ड) सचिन मित्तल व मौजूदा एडीजीपी (पदोन्नति व भर्ती बोर्ड) बिपिन कुमार पांडेय पेश हुए।

राज्य सरकार की ओर से एएजी भुवनेश शर्मा ने कहा कि प्रार्थी अभ्यर्थियों को भर्ती को चुनौती देने का अधिकार नहीं है। वे चयन प्रक्रिया में फेल हो गए थे। इसके अलावा याचिका एक साल की देरी से दायर की गई है। इसलिए याचिका को खारिज किया जाए। वहीं प्रार्थी पक्ष ने कहा कि भर्ती में उन अभ्यर्थियों का चयन कर लिया जिनकी हाइट तय मापदंड से कम थी। साथ ही इन अभ्यर्थियों की हाइट रिकार्ड में ज्यादा बताई गई। इसके चलते प्रार्थियों का भर्ती में चयन होने से रह गया। अदालत ने 14 मार्च 2024 के आदेश से भर्ती एजेंसी को प्रार्थियों व निजी पक्षकारों की हाइट व चेस्ट की माप रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा था। इसके अलावा जिन अभ्यर्थियों को नियुक्ति दे चुके हैं उनका नियुक्ति के समय किया गया हाइट व चेस्ट मेजरमेंट डिटेल्स भी पेश करें। लेकिन इस आदेश की पालना नहीं की गई है। इसलिए उन्हें पदों पर नियुक्ति दिलवाई जाए। अदालत ने पक्षकारों की बहस सुनने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया।

बरसों से घूमते बावरिया परिवारों के बच्चों को मिला सरकारी दस्तावेज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

घुमंतु एवं अर्ध- घुमंतु समुदाय के कल्याण हेतु मंडावा में आयोजित विशेष शिविर (कैंप) के अंतर्गत जरूरतमंद परिवारों को महत्वपूर्ण राहत प्रदान की गई। शिविर का उद्देश्य उन परिवारों तक सरकारी सुविधाएँ पहुँचाना रहा, जो लंबे समय से दस्तावेज़ों के अभाव में विभिन्न योजनाओं से वंचित थे। शिविर के दौरान बुधवार को तहसीलदार डॉ सुरेन्द्र भास्कर द्वारा बांवरिया जनजाति के तीन परिवारों के जन्म प्रमाणपत्र की अनुज्ञा जारी की गई। उल्लेखनीय है कि इन परिवारों के पास पूर्व से कोई वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं था, जिसके कारण वे शासकीय योजनाओं एवं अधिकारों से वंचित थे। जन्म प्रमाणपत्र जारी होने से अब इन परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। इस कार्य के सफल आयोजन एवं निष्पादन में तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर तथा नायब तहसीलदार मुकेश सिहाग का विशेष योगदान रहा। प्रशासन की इस पहल की स्थानीय स्तर पर सराहना की जा रही है तथा इसे गुमंतु एवं अर्ध-गुमंतु समुदाय के लिए एक सकारात्मक और संवेदनशील कदम माना जा रहा है।

फतेहाबाद के एडीआर सेंटर में बाल विवाह मुक्त भारत तथा साइबर फ्रॉड के विषयों पर प्रशिक्षण सत्र और संगोष्टी का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण पंचकूला के सदस्य सचिव से प्राप्त दिशा निर्देशों की अनुपालना में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल के दिशा निर्देशन में जिला एडीआर सेंटर में बाल विवाह मुक्त भारत तथा साइबर फ्रॉड के विषय पर प्रशिक्षण सत्र एवं संगोष्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से आई हुई आशा वर्करों को बाल विवाह मुक्त भारत तथा साइबर फ्रॉड के विषयों पर जागरूक किया गया। इस दौरान जिला बाल विवाह निषेध अधिकारी रेखा अग्रवाल ने आशा वर्कर्स को बताया कि बाल विवाह न केवल एक सामाजिक बुराई है बल्कि यह कानून अपराध भी है। उन्होंने बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह में शामिल होने, कराने या प्रोत्साहित करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही का प्रावधान है। साथ ही यह भी बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक विकास में गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। इसके उपरांत साइबर थाना फतेहाबाद से उप निरीक्षक (प्रशिक्षु) सतीश कुमार ने आशा वर्कर्स को साइबर अपराधों के प्रति सचेत किया। उन्होंने बताया कि हमें अपने मोबाइल फोन में लालच में आकर नई-नई एप डाउनलोड न करें और अपने बच्चों को मोबाइल का कम से कम प्रयोग करने की हिदायत दें। जरूरत पडने पर ही मोबाइल फोन का प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने यह बताया कि जो सांप्रदायिक, राजनीतिक से प्रेरित व अवांछनीय संदेश हैं उन्हें बिना सोचे समझे अन्य ग्रुपों में सांझा मत करें, ऐसा करने पर आप कानूनी अपराध की श्रेणी में आ सकते हैं और अनावश्यक विवाद में फंस सकते हैं।

शहीद दिवस पर चिड़ावा उप जिला अस्पताल से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी रहें नदारद, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

नदारद रही बापू की तस्वीर

शहीद दिवस के इस विशेष आयोजन में पीएमओ और बीसीएमओ सहित अस्पताल का लगभग पूरा स्टाफ मौजूद था। देश के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले वीरों के प्रति संवेदनाएं तो व्यक्त की गईं, लेकिन कार्यक्रम स्थल पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चित्र न होना चर्चा का विषय बना रहा।

शहर के सबसे बड़े राजकीय चिकित्सालय, चिड़ावा उप जिला अस्पताल में गुरुवार को 'शहीद दिवस' का आयोजन किया गया। विडंबना देखिए, जिस महान आत्मा की पुण्यतिथि पर पूरा देश मौन रहकर श्रद्धांजलि अर्पित करता है, उसी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर अस्पताल के कार्यक्रम से नदारद रही। फोटो खिंचवाने की होड़ और औपचारिकताओं के बीच अस्पताल प्रशासन यह बुनियादी बात ही भूल गया कि 30 जनवरी का दिन बापू की शहादत को समर्पित है। मीडिया रिपोर्ट्स और सामने आई तस्वीरों के अनुसार, अस्पताल के गलियारों में वीर शहीदों को नमन तो किया गया, लेकिन वहां गंभीरता की कमी साफ नजर आई। जहां शहीदों के बलिदान पर आंखें नम होनी चाहिए थीं, वहीं अस्पतालकर्मी कैजुअल अंदाज में नजर आए। 'नई पीढ़ी में सम्मान की भावना जगाने' के दावों के बीच, जिम्मेदारों का यह व्यवहार खुद सवालिया निशान खड़ा कर रहा है।

वीर शहीदों एवं बलिदानियों को दो मिनट का मौन रखकर अर्पित की श्रद्धांजलि

अधिकारियों व कर्मचारियों ने शहीदों को किया नमन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन में संपूर्ण विश्व को सत्य, अहिंसा और मानवता का संदेश देने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि तथा हरियाणा वीर एवं शहीदी दिवस के अवसर पर शुक्रवार को लघु सचिवालय परिसर में अधिकारियों-कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर नमन किया। अधिकारियों-कर्मचारियों ने देश के ज्ञात-अज्ञात वीर शहीदों एवं बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके दिखाए सत्य, अहिंसा और मानवता के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि देश को आजाद कराने के लिए वीर जवानों ने शहीद होकर अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। बड़ी संख्या में देश के वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी और कई पीढियो के बलिदान के बाद हमें आजादी मिली है। उन्हीं शहीदों की बदौलत आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। डीसी ने कहा कि हमें अपने शहीदों को नमन करते उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर एसडीएम सुरेश कुमार और सीटीएम जितेंद्र कुमार सहित काफी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें।

फार्मासिस्ट भर्ती, मेरिट व बोनस के पुराने फार्मूले पर अड़े अभ्यर्थी, विधायक काला को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

राजस्थान फार्मासिस्ट संगठन से संबद्ध फार्मासिस्ट संघर्ष समिति ने अपनी मांगों को लेकर पिलानी विधायक पितराम सिंह काला को उनके आवास पर ज्ञापन सौंपा। संघर्ष समिति ने मांग की है कि आगामी फार्मासिस्ट भर्ती को पूर्व की भांति 'मेरिट प्लस बोनस' अंकों के आधार पर ही संपन्न कराया जाए, ताकि वर्षों से अल्प वेतन पर अपनी सेवाएं दे रहे संविदा फार्मासिस्टों को अनुभव का लाभ मिल सके। ज्ञापन में फार्मासिस्टों ने स्पष्ट किया कि सर्विस रूल 1965 में संविदा कर्मियों के हितों के खिलाफ किसी भी प्रकार का संशोधन स्वीकार्य नहीं है। अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार द्वारा नियमों में बदलाव की सुगबुगाहट से उन युवाओं में डर है जो लंबे समय से संविदा पर कार्य कर रहे हैं। पुराने नियम लागू रहने से ही अनुभव प्राप्त फार्मासिस्टों को न्याय मिल पाएगा। विधायक पितराम सिंह काला ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे इस मुद्दे को विधानसभा में मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने कहा कि संविदा कर्मियों के हितों की रक्षा करना प्राथमिकता है और वे सरकार से मांग करेंगे कि भर्ती प्रक्रिया पुराने नियमों के अनुसार ही हो। इस दौरान संघर्ष समिति के दीपक सरवन, विकास कुमार भार्गव, करण जमालपुरिया और ज्योति जांगिड़ सहित अनेक अभ्यर्थी मौजूद रहे।

पूर्व चेयरमैन दिनेश जोशी के जन्म दिवस पर आयोजित हुआ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर,जूटे जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता व समर्थक

रक्तदान में महिलाओं ने बढ़ चढ़कर लिया हिस्सा, कार्यक्रम स्थल पर रहा मेले जैसा माहौल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

शेखावाटी अंचल में सियासत में सेवा के लिए अपनी विशेष पहचान कायम करने वाले लक्ष्मनगढ के इतिहास में सियासी सफर के दौरान अनेक कीर्तिमान व रेकार्ड कायम कर इतिहास रचने वाले क्षेत्र के दिग्गज नेता दिनेश जोशी के 63वें जन्म दिवस पर शुक्रवार को मोहन गार्डन में आयोजित विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में युवाओं में जबरदस्त उत्साह रहा वहीं महिलाओं ने भी रक्तदान कर पुनित कार्य में सहयोग करते हुए रक्तदान किया। शिविर में 453 यूनिट रक्त का संग्रहण हुआ। इस अवसर पर मीडिया से बोलते हुए कहा कि लक्ष्मनगढ मेरे परिवार जैसा ही है यह कार्यकर्ताओं का स्नेह है कि रक्तदान जैसे पुनित कार्य कर सेवा व परोपकार की मुहिम में लगे हुए हैं। उन्होंने निकाय और पंचायती राज चुनाव पर कहा कार्यकर्ताओं को चुनाव लगायेंगे तथा तीनों पंचायत समितियों व नगरपालिका में भाजपा का परचम लहरायेंगे।

आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं की होंसला अफजाई के लिए पंच, सरपंच, पार्षद, पंचायत समिति, जिला परिषद सदस्य जनप्रतिनिधि, व्यापारी, कर्मचारी व प्रबुद्ध जन पहुंचे तथा जोशी को गुलदस्ता भेंट कर व माल्यार्पण कर जन्मदिवस की शुभकामा दी। इस अवसर पर पूर्व विधायक केडी बाबर,भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़,लक्ष्मनगढ पंचायत समिति प्रधान प्रत्याशी भागीरथ गोदारा, पंचायत समिति सदस्य राजेश खाखल, अमृत ख्यालिया, बनवारी ढुकिया, लक्ष्मण रायल, जितेंद्र शेखावत,धौलू पनलावा, ताहिर चुड़ी मियां,पूर्ण सिंह लंबोरिया आंतरोली, तेजसिंह बगड़ी,भाजपा जिला प्रवक्ता अमित शर्मा बलारां, वरिष्ठ पार्षद मधुसूदन दायमा, अमित जोशी , पवन बाल्मीकि, रामावतार पंवार, शशिकांत पुजारी, मुकेश सैनी, कमल शर्मा, एडवोकेट सज्जन सैनी, पूर्व पार्षद विनोद सैनी,हरि मंडार, अशोक पुजारी, सुभाष चंदेल, पंकज वर्मा, जगदीश सैनी, राजेश जोशी, सर्वोत्तम वैध,सरपंच नरेंद्र ढुकिया भूमा, हरिराम सेवदा अलखपुरा बोगन, पृथ्वी सिंह ढहर का बास,रामावतार काछवा, प्रहलाद अग्रवाल नेछवा, शंभू प्रसाद कुमावत गनेडी, महेंद्र गुर्जर रोरु बडी, हेमराज बलारां, राधारानी घाणा,बाटडानाऊ सरपंच, गाडोदा सरपंच,बाबूलाल गोदारा,पूर्व सरपंच नेमीचंद शर्मा दिनवा जाटान, विमल जोशी, रामनिवास ढुकिया सिंगोदडा, गोपाल कुमावत, जिला परिषद सदस्य रामचंद्र बगड़िया,रतन गोदारा,पूर्व जिला परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह कारंगा, नवरंग चौधरी लालासी, अरुण चौधरी, महावीर मातवा, रामनिवास ढालमस, भाजपा मंडल अध्यक्ष ललित पंवार,भरत सिंह सरावग, परमेश्वर चौमाल, बाबूलाल दुल्लड, पूर्व भाजपा मंडल के पूर्व अध्यक्ष शिवबक्स राम बगड़िया, रामावतार ब्यास बलारां, अर्जुन कोटवाल, भाजयुमो अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश जाजोदिया, मनोज रूहेला, अमित सनवाली, कपिल बऊ, जयप्रकाश सरावगी, राजेंद्र ताखर, राजकुमार महला,भंवर सिंह रणवा जाजोद, विजेन्द्र राजपुरा, बिजेंद्र सिंह बिजारणियां बीबीपुर बडा,मदन सांखू,देवकी खेड़ी राडान, बालसिंह पालड़ी,रतन छिछास, भवानी सिंह,नरपत डागरा, मनीष मील पोषाणी, हरपाल सिंह नरोदडा, ओमप्रकाश जांगिड़, नरेंद्र सारस्वत, स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष रामप्रसाद जडिया, जांगिड़ समाज के अध्यक्ष द्वारका प्रसाद जांगिड़,खांडल विप्र समाज के जिलाध्यक्ष नेमीचंद शर्मा, भगवा रक्षा वाहिनी के अध्यक्ष जयशंकर पुजारी,शिक्षक संघ के रामचंद्र सिंह, डॉ राजेश शर्मा, डॉ अभिषेक पारीक डॉ रीना सहित करीब दो हजार लोगों ने आयोजन में शिरकत कर पूर्व चेयरमैन जोशी को जन्म दिवस की बधाई दी तथा रक्तदाताओं की होंसला अफजाई की ।

> एक ऐसा देश जहां आधुनिक यूरोपीय संस्कृति के साथ-साथ लोग अभी भी अपने पारंपरिक मूल्य और संस्कार भी सहेजे हुए हैं। बादलों में उड़कर बुल्गारिया पहुंच जाना एक सपने जैसा था। चलते हैं यहां

सपनों की उड़ान जैसी बुल्गारिया की सैर, खूबसूरती ही नहीं यहां का आर्किटेक्चर भी है लाजवाब

तीन दशक पहले मुझे बचपन में बुल्गारिया जाने का मौका मिला था। एक चिल्ड्रेंस कैंप में। उसी की याद को ताजा करने जब मैं दोबारा बुल्गारिया गई, तो महसूस हुआ कि यह स्थान आपको अपनी ओर खींचता है। मुझे अपनी बुल्गारिया यात्रा के दौरान कभी भी सैलानी जैसा एहसास नहीं हुआ, बल्कि ऐसा लगा जैसे मैं कुछ दिनों के लिए वहां बस गई थी। मुझे बुल्गारिया की राजधानी सोफिया और शहर वारना घूमने और रहने का अवसर मिला। बुल्गारिया पहुंचने के लिए हमने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से तुर्की में इस्तांबुल के लिए फ्लाइट पकड़ी। इस्तांबुल से हमें कनेक्टिंग फ्लाइट से बुल्गारियाई शहर वारना पहुंचना था। किन्हीं वजहों से हमारी वह फ्लाइट मिस हो गई और कुछ समय हमें इस्तांबुल एयरपोर्ट की एक लांउज में बिताना पड़ा। देर रात हमें वारना की फ्लाइट मिली और कुछ घंटों में हम वारना शहर में थे।

विहंगम है वारना का नजारा

मैदान, पहाड़, घाटी, संकरे रास्तों व नदियों का देश है बुल्गारिया। यहां की सबसे बड़ी नदी है इस्कर और सबसे बडी लेक बुर्गस है। आपको जानकर हैरानी भी होगी कि इस देश में करीब 540 नदियां बहती हैं। एक टैक्सी से हम वारना में होटल पैनोरमा पहुंचे। सुनने में अजीब लगता है, लेकिन सच में वहां तक की ड्राइव मन मोह लेने वाली थी। हरे-भरे खेतों, साफ-सुथरी सड़कों और सुरजमूखी के हजारों फूलों के बीच स्टोन फॉरेस्ट तक जाने का रास्ता बेहद मनमोहक था। साथ ही, मन में उतावलापन था कि पत्थरों का जंगल कैसा होगा? स्टोन फॉरेस्ट पहुंचकर सदियों पुराने पत्थर और प्राकृतिक जमीनी सुंदरता और कलात्मकता को देखकर हैरान थे। पेड़, मिट्टी, जंगली पौधे और पत्थरों का यह जंगल पहले एक समुद्र था। पत्थर के खंभों से पटा हुआ यह जंगल बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है। यहां का वातावरण बहुत ही साफ और सुंदर है। खूबसूरत फूल-पौधे चारों तरह हरियाली बिखेरते बड़े मनोरम लगते हैं। वारना शहर में घूमते हुए हमारी नजर यहां बने घरों पर पड़ी। बहुत ही सुंदर अपार्टमेंट बने हैं। बुल्गारियाई आर्किटेक्चर बहुत सुंदर, आकर्षक और प्रभावी हैं। बातों-बातों में हम कब वारना पार्क पहुंच गए पता ही नहीं चला। इस पार्क की खासियत है कि आप गार्डन के साथ-साथ बाजार भी घूम लेते हैं। यहां रेस्टोरेंट्स में तुर्की व बुल्गारियाई व्यंजन काफी पसंद किए जाते हैं। अगली सुबह हमें बल्चिक-कलियाकारा जाना है, जो वारना के पास ही बसा एक कस्बा है। यह ब्लैक सी के पास ही स्थित है।

कलियाकारा केप

कलियाकारा केप पहुंचने पर हमें यहां एक आर्कियोलॉजिकल साइट भी देखने को मिली, जो एक म्यूजियम की तरह है। यह एक तरह से यहां की सभ्यता का प्रतीक है। इस म्यूजियम में हजारों साल पुरानी सभ्यता की निशानियां रखी हैं। इनमें बर्तन, हथियार जैसी बहुत सारी चीजें देखने को मिलती हैं। ये सामान खुदाई के दौरान मिले थे। अब इस साइट को टूरिस्ट स्पॉट के रूप में विकसित किया गया है। यहां एक लंबी वॉक के बाद महसूस होता है कि जरूर जीवन यहां कई हजार साल पहले भी रहा होगा। इस तरह के चिन्ह इस वॉक के दौरान देखने को मिलते हैं।

बल्चिक बॉटेनिकल गार्डन

यह एक खूबसूरत बॉटेनिकल गार्डन है। इसे टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया गया है। फूलों से लदे पेड़ आपका स्वागत करते हैं। ढेरों फूल, पौधों, पेड़ों और जड़ी-बूटियों से हरे-भरे इस गार्डन में घूमने का एक अलग ही आनंद है। यहां बुल्गारियाई, जापानी गुलाब के साथ एक से बढ़कर एक कैक्ट्स भी देखने को मिलेंगे।

सस्ते में लेना है घुमक्कड़ी का मज़ा, तो इन टिप्स एंड ट्रिक्स के साथ करें प्लानिंग

बहुत से लोग यह सोचकर घूमने से रह जाते हैं कि पैसे कम हैं कैसे घूमेंगे? लेकिन आपको हम बता दें कि अगर आप ढंग से प्लान बनाएं तो कम पैसों में भी आराम से घूम सकते हैं।

आजकल की भागदौड़ वाली जिंदगी में घुमक्कड़ी संजीवनी जैसी है, जो आपको तरोताजा कर देती है। बड़े शहरों की व्यस्त जिंदगी की जरूरत भी है ट्रैवल ताकि आप प्रदूषण और शोर-शराबे से दूर अपनों के साथ सुकून के कुछ पल बिता पाएं। सोशल मीडिया के इस दौर में घूमना एक ट्रेंड भी बनता जा रहा है। ऐसे बजट फिट ट्रैवल और भी प्रासंगिक हो जाता है।

घुमक्कड़ों की तरह घूमने में है असली मजा

यह बात तो सही है कि घूमने और नई जगहों को एक्स्प्लोर करने से हम तरोताजा होते हैं। बहुत कुछ सीखते भी हैं। मगर आज की महंगाई वाले दौर में बहुत से लोगों के लिए घूमना बजट पर भारी पड़ता है। जो लोग यह सोचते हैं कि घूमना सिर्फ पैसे वालों का शौक है, तो उनको बता दूं कि ऐसा है नहीं। अगर हम थोड़ी मेहनत और थोड़ा रिसर्च करें। इंटरनेट और सोशल मीडिया की मदद लें, तो घूमने का प्लान बजट में बना सकते हैं। बजट फिट ट्रैवल एक भ्रम नहीं है। घूमने का ट्रेंड, जो पहले केवल बड़ों शहरों में ही देखा जाता था, आजकल छोटे-छोटे शहरों में भी इंटरनेट और स्मार्टफोन की वजह से बढ़ रहा है। घूमने का असली आनंद तो घुमक्कड़ों की तरह घूमने में है न की पर्यटकों की तरह पर्यटन करने में।

करनी होगी एडवांस प्लानिंग

ट्रैवल प्लान करने में सबसे बड़ी चुनौती होती है डेस्टिनेशन तक कैसे जाया जाए? कहीं भी जाने से पहले उस जगह की अपने शहर से कनेक्टिविटी देखते हैं, इंटरनेट से समय और दूरी को चेक करने के बाद फिर पब्लिक ट्रांसपोर्ट, जैसे- ट्रेन या बस की बुकिंग कराते हैं। एडवांस बुकिंग से जहां अंतिम समय की भागदौड़ से बच जाते हैं, वहीं तत्काल या अन्य चार्जेज की भी बचत हो जाती है।

होटल की बजाय होमस्टे बेहतर

किसी भी यात्रा की दूसरी समस्या यह होती है कि हम रूकें कहां? जगह सुरक्षित है या नहीं? शहर या घूमने की जगह से बहुत दूर तो नहीं है? सस्ती जगह है तो अच्छी है या नहीं? आजकल ये समस्याएं भी आसानी से हल हो जाती हैं। कई बड़े स्टेशंस पर भारतीय रेलवे के गेस्ट रूम्स भी उपलब्ध होते हैं, जिनकी बुकिंग ट्रेन टिकट के साथ ही एडवांस में की जा सकती है। बहुत से लोकप्रिय ट्रैवल डेस्टिनेशंस में होमस्टे आसानी से मिल जाते हैं वह भी बजट में। यहां रहने पर स्थानीय लोगों का रहन-सहन, खान-पान और उनकी संस्कृति को नजदीक से जानने का मौका मिल जाता है। साथ ही उस जगह से जुड़ी कई ऐसी जानकारियां भी मिलती हैं जो गूगल के पास भी नहीं होंगी। वैसे, अकेले घूमने वाले लोगों के लिए जॉस्टल और होस्टल जैसे कई विकल्प मौजूद हैं, जो बहुत कम पैसे में आपको डोर्मिटरीज और रूम मुहैया कराते हैं। साथ ही, साथ अपने जैसे और भी लोगों से मिलने-जुलने, उनके अनुभवों को साझा करने का मौका भी मिलता है। यकीन मानिए यात्रा और यात्री दोनों ही बेहतरीन गुरु हैं।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट या बाइक ले लें

आप इंटरनेट पर थोड़ा-सा रिसर्च कर कर लें, तो अपने बजट में रहने की जगह खोज सकते हैं। कई वेबसाइट्स हैं, जो उनके रिव्यू भी उपलब्ध कराती हैं। जरूरत है बस थोड़ा-सा समय देने की। घूमने वाली जगहों पर कई बार लोकल ट्रांसपोर्टेशन बहुत महंगे होते हैं, ऐसी स्थिति में ज्यादातर हम लोकल पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसे लोकल बस, ट्रेन या शेयर ऑटो से काम चलाते हैं। युवाओं में दुपहिया वाहनों का क्रेज देखते हुए कई जगहों पर 200-500 रोज के हिसाब से बाइक या स्कूटी किराए पर आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप बाइक लेना चाहें, तो आपको बस अपना कोई पहचान पत्र उनके पास जमा करना होता है। यह सस्ता, सुविधाजनक और ट्रेंडी रास्ता भी है।

देश की इन 5 खूबसूरत जगहों की दुनिया भी है दीवानी

वक्त निकाल कर जरूर जाएं घूमने

आमतौर पर भी जब खूबसूरत जगहों क जिक्र होता है तो लोग विदेश की अलग-अलग लोकेशंस को गिनाना शुरु कर देते हैं जबकि देश में भी बेहद शानदार जगहें हैं ।

आमतौर पर भी जब खूबसूरत जगहों क जिक्र होता है तो लोग विदेश की अलग-अलग लोकेशंस को गिनाना शुरू कर देते हैं, जबकि देश में इतनी शानदार जगहें हैं, जिन पर किसी का भी दिल आ जाएगा। खास बात ये है कि इन जगहों की देश में ही नहीं बल्कि दुनिया के लोग भी दीवाने हैं। ऐसे में आज यानी कि नेशनल टूरिज्म डे (National Tourism Day) के मौके पर आइए जानते हैं कौन-कौन सी हैं वे जगहें...

गुलमर्ग

इस लिस्ट में सबसे पहला नाम आता है कश्मीर का। कहते हैं कि कुदरत ने इस जगह को नायाब खूबसूरती से बख्शा है। यूं तो यहां का कोना-कोना बहुत सुंदर और मनमोहक है लेकिन अगर बात गुलमर्ग की करें तो ये जम्मू कश्मीर का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। इसकी सुंदरता के कारण इसे धरती का स्वर्ग भी कहा जाता है। यह देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक हैं। फूलों के प्रदेश के नाम से मशहूर यह स्थान उत्तरी कश्मीर के बारामुला में स्थित है। एडवेंचर स्पोर्ट्स और स्कीइंग के शौकीन लोगों के लिए गुलमर्ग एक बेहद खास जगह मानी जाती है।

गोवा:

गोवा तो घूमने वाले लोगों की लिस्ट में टॉप पर होता है। खासतौर पर यंगस्टर्स के लिए। युवा यहां जाना खूब पसंद करते हैं। उन्हें यहां के बीच ही नहीं बल्कि यहां की नाइट लाइफ को एंज्वॉय करने जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी बीच पर सुकून के पल और फिर एक हसीन शाम गुजारना चाहते हैं तो ये जगह देखनी चाहिए।

लेह-लद्दाख:

देश की और खूबसूरत जगह है लेह-लद्दाख। यहां प्राकृतिक खूबसूरती के साथ-साथ लोग ट्रैकिंग और बाइक राइडिंग के लिए भी आते हैं। इसके अलावा हाइकिंग, क्लाइम्बिंग और कैंपिंग का मजा लेने भी आते हैं। इसके अलावा यहां की जंस्कार वैली, खरदुंग-ला पास, हेमिस नेशनल पार्क और स्पीतुक गोम्पा जैसी जगहें घूमना एक बेस्ट ऑप्शन होता है।

मुंबई

यूं तो मुंबई को 'फिल्म नगरी' के नाम से भी जाना जाता है। इस शहर को सपनों को शहर भी कहते हैं। यहां हर रोज लाखों लोग अपनी आंखों में बेपनाह सपने लेकर आते हैं। मगर इस

शहर में भी कई टूरिस्ट प्लेस हैं, जिन्हें देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। यहां घूमने के लिए जुहू चौपाटी, हाजी अली दरगाह, महालक्ष्मी मंदिर, गेटवे ऑफ इंडिया, मरीन ड्राइव समेत कई जगहें हैं।

केरल:

देश में घूमने के लिए सबसे सुंदर केरल भी एक अच्छा ऑप्शन है। यहां मुन्नार की प्राकृतिक खूबसूरती आपका मान मोह लेगी। इसके अलावा थेककडी, कोवलम, कुमारकोम जैसी जगहें भी घूमना एक बेहतर ऑप्शन है।

'दिया' नवलगढ़ द्वारा CPR प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । गायत्री परिवार द्वारा चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत, शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में गायत्री परिवार की युवा इकाई दिया नवलगढ़ द्वारा CPR (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिया झुंझुनूं के जिला संयोजक एवं बैंक प्रबंधक संदीप कुमार दायमा ने जानकारी देते हुए बताया कि वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुनील सैनी एवं सीनियर नर्सिंग ऑफिसर सुनील एचरा द्वारा गायत्री विद्यापीठ के छात्र-छात्राओं तथा समस्त विद्यालय स्टाफ को आपातकालीन परिस्थितियों, विशेषकर हार्ट अटैक जैसी स्थिति में CPR के माध्यम से जीवन रक्षा की व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुनील सैनी ने बताया कि CPR एक अत्यंत महत्वपूर्ण जीवन रक्षक प्रक्रिया है, जो हृदय गति अचानक रुक जाने की स्थिति में मस्तिष्क एवं शरीर में रक्त संचार बनाए रखने में सहायक होती है। उन्होंने यह भी बताया कि समय पर और सही तकनीक से दिया गया CPR, एम्बुलेंस या चिकित्सकीय सहायता पहुंचने तक किसी व्यक्ति की जान बचाने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। कार्यक्रम गायत्री विद्यापीठ के प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार दायमा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण कर्ता डॉ. सुनील सैनी एवं नर्सिंग ऑफिसर सुनील एचरा का माला व साफा पहनाकर तथा प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की निदेशक संतोष दायमा, उप-प्रधानाचार्य ज्योति दायमा सहित समस्त स्टाफ सदस्य–रणवीर सिंह, कैलाश सैनी, सुनील, राजेश चौहान, विद्याधर सांखला, पंकज सैनी, संगीता पायल, अभिषेक शर्मा, रोहिताश जांगिड, राकेश कुमार, सुमन ढाका एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहें। इस प्रशिक्षण शिविर में लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई और CPR की तकनीकों को प्रत्यक्ष रूप से सीखकर आपातकालीन परिस्थितियों के लिए स्वयं को तैयार किया।

मनरेगा के काले कानूनों को कांग्रेस नहीं करेंगी बर्दाश्त - डॉ ढाका, फतेहपुर में कांग्रेस का धरना

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फ़तेहपुर।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत फ़तेहपुर उपखण्ड कार्यालय के सामने ब्लॉक कांग्रेस द्वारा शांतिपूर्ण धरना दिया गया । जिसमें मनरेगा प्रभारी व जिला महासचिव डॉ.कुलदीप ढाका ने महात्मा गाँधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि मनरेगा के काले क़ानूनों को कांग्रेस पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी और आमजन को साथ लेकर सरकार के खिलाफ बडा आंदोलन करेंगे और इन क़ानूनों को वापस करवायेंगे। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस व नगर कांग्रेस के पदाधिकारीयों द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी के मनरेगा बचाओ अभियान के हस्ताक्षर युक्त परिपत्रों का वितरण किया। ब्लॉक अध्यक्ष झाबरमल धायल ने कहा कि केन्द्र सरकार मनरेगा को बंद करने की साज़िश कर रही हैं जिसे कांग्रेस पार्टी व उसके कार्यकर्ता क़तई बर्दाश्त नहीं करेंगे व कांग्रेस गरीब और मजदूरों की आवाज बनकर सड़कों पर उतरी है।इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मुस्ताक नजमी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता गांव, ढाणी और वार्ड स्तर तक जाकर लोगों को मनरेगा के बारे में जागरूक कर रहे हैं और किसी भी कीमत पर केंद्र सरकार को गरीब व मजदूरों का हक छीनने नहीं देंगे व पीसीसी सदस्य महावीर मेव ने मांग की कि यदि सरकार सच में मजदूरों के हित में है तो उन्हे काम का अधिकार देकर उनका मानदेय 400 करना चाहिए व कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई दूरदर्शी मनरेगा योजना ने देश को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने में अहम भूमिका निभाई है।संचालन युवा नेता सुरेन्द्र माहिचा ने किया । इस अवसर पर कांग्रेस के प्रदेश सचिव व प्रभारी रियाजत खान, मनरेगा प्रभारी व जिला महासचिव डॉ कुलदीप ढाका, ब्लॉक अध्यक्ष झाबरमल धायल व महासचिव अल्ताफ़ हुसैन,पीसीसी सदस्य महावीर मेव,चेयरमैन मुस्ताक नजमी, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि अजय रिणवा, शहर अध्यक्ष छोटेलाल माहिच, रामनिवास सरपंच, प्रभुसिंह कारंगा, एडवोकेट आरीफ, रामस्वरूप माहिचा, भागीरथ कटारिया, फतेह मोहम्मद, आसिफ़ जलालसर, रामगढ़ नगर अध्यक्ष पवन सैनी, शहर अध्यक्ष जावेद सहित कांग्रेस कार्यकर्ता व आमजन उपस्थित रहे।

कांग्रेस ग्रामीण जिला कार्यकारिणी की घोषणा, रेखा दहिया को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी

सभी वर्गों को दिया गया कार्यकारिणी में स्थान, एक महिला के साथ बनाए चार उपाध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की ओर से वीरवार को ग्रामीण कांग्रेस रेवाड़ी के पदाधिकारियों की सूची जारी कर दी गई। इसमें वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री रेखा दहिया को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। कार्यकारिणी में सभी वर्ग के लोगों को स्थान दिया गया है। एआईसीसी के प्रदेश मुख्यालय की ओर जारी सूची के अनुसार अशोक यादव, गजराज सिंह व पूर्णसिंह को भी जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। प्रदीप यादव को संगठन का महासचिव बनाया गया है, जबकि ब्रह्मदत्त को खजांची का पद दिया गया है। पूर्व सरपंच अनिल यादव, ईश्वर महलावत, जवान सिंह, मनोज यादव, विनय कमल, महेंद्र सिंह पूर्व सरपंच, प्रताप सिंह पूर्व सरपंच व चरण सिंह गुर्जर को महासचिव बनाया गया है। इसके साथ पूर्व सरपंच लक्खी, विक्रम यादव, राजबाला पप्पू सिंह, रामकिशन, प्रेमलता, रंजीत यादव, सरिता शेखावत, मनीषा यादव, विक्रम बोहरा, विकास सरपंच, अमित गोयल, विजय शर्मा, सज्जन यादव, संदीप कसाना व कृष्ण कुमार को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूची में महिलाओं से लेकर विभिन्न समाज से जुड़े कर्मठ कार्यकर्ताओं को तवज्जो दी गई है। राव नरेंद्र सिंह ने सूची जारी करने के बाद नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई है कि यह पदाधिकारी पार्टी संगठन को मजबूत करने दिशा में कार्य करेंगे।

ईमानदारी से निभाएंगे जिम्मेदारी

नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष रेखा दहिया ने अपनी नियुक्ति पर जिलाध्यक्ष सुभाष छावड़ी व प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, वह उसे पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से निभाने का प्रयास करेंगी। पार्टी संगठन को जिला स्तर पर मजबूती प्रदान करने के लिए ग्राउंड लेवल पर कार्य किया जाएगा। भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों से आमजन को अवगत कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी वर्गों के हितों की रक्षा के कृतसंकल्प है। आमजन की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने की दिशा में काम किया जाएगा।

शिकायत पेटिकाओं को खोली, पुलिस को गुप्त रूप से दे सकते है सूचना

भीम प्रज्ञा न्यूज़.अजीतगढ़।

राजस्थान पुलिस के ऑपरेशन गरिमा अभियान के तहत महिला व बालिकाओं को भयमुक्त माहौल देने के उद्देश्य से इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान मे कस्बे की स्कूल व कॉलेजो में शिकायत पेटिका लगाई गयी थी,नीमकाथाना अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश मीणा के आदेशों की पालना एंव अजीतगढ पुलिस उपाधीक्षक प्रेम बहादुर निर्भय के सुपरविजन मे शुक्रवार को पुलिस थाना अजीतगढ के एएसआई बलवीर सिंह ने कस्बे मे लगी शिकायत पेटिकाओं को खोलकर देखा गया। कस्बे मे लगी कुल 9 शिकायत पेटिकाओं मे से दो पेटिकाओं मे शिकायतें मिली है। इधर अजीतगढ पुलिस उपाधीक्षक ने अजीतगढ थानाधिकारी को लिखित मे आदेशित किया है की नियमानुसार एक कमेटी सीएलजी सदस्य, सुरक्षा सखी, महिला कांस्टेबल मय स्कूल प्रबंधक, सोसायटी सदस्य एंव थाने के एक अधिकारी की बनाकर उनकी उपस्थिति मे खोला जाकर आपराधिक तथ्य मिलने पर नियमानुसार कार्यवाही करें तथा समस्त की रिपोर्ट वृताधिकारी कार्यालय मे भेजें।

इनका कहना है-

रेडक्रॉस सोसायटी का अच्छा प्रयास है। जल्द ही अब कमेटी बनवाकर महिने मे एक बार शिकायत पेटिकाओं को खुलवाया जायेगा,जो भी शिकायत मिलेगीं उस पर कठोर कार्यवाही की जायेगी,किसी भी सूरत मे बक्सा नही जायेगा।

लोकेश मीणा,एएसपी,नीमकाथाना

महात्मा गांधी को लाखेरी में कांग्रेस जनों ने याद करके दी श्रद्धांजली

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लाखेरी।

विष्णु प्रसाद बैरवा । शुक्रवार को महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर गांधी पूरा पार्क में नगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में शहीदी दिवस के रूप में महात्मा गांधी जी की मूर्ति पर पुष्पांजलि व माल्यार्पण कर समस्त कांग्रेस जनों ने सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की साथ ही 2 मिनट का मौन रखा गया। गांधीजी की प्रतिमा के सामने पार्क में सभी कांग्रेस जनों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए एवं सत्य व अहिंसा के मार्ग पर चलते रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौथमल वर्मा, महामंत्री पवन गोयनका व मंडल कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण नरेन्द्र जैन ,मुन्ना मंसूरी ,लटूर लाल मेहरा ,जगदीश पारेता, रुखसार पठान, विनोद बैरवा वकील , मो0सादिक पठान, राजेंद्र वर्मा, राजेंद्र बेरवा, रमेश राठौड़ , बाबूलाल मीणा, बाबूलाल वर्मा युगल किशोर मेहरा, पारस जैन सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि के मौके पर कल कलश यात्रा और आध्यात्मिक संदेश कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थानीय शाखा के तत्वावधान में इस वर्ष शिव अवतरण का यादगार पर्व 90वीं त्रिमूर्ति महाशिवरात्रि के रूप में बेहद धूमधाम से मनाया जाएगा। यह आयोजन एक फरवरी को होगा। चिड़ावा शाखा की संचालिका स्नेहा दीदी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का आगाज एक फरवरी को दोपहर एक बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। यह यात्रा धाबाई टेकड़े से शुरू होकर कबूतरखाना और मंड्रेला रोड होते हुए भगेरिया फॉर्म हाउस के पास आयोजन स्थल पहुंचेगी। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में माताएं और बहनें श्वेत वस्त्रों में शामिल होकर आध्यात्मिक संदेश देंगी। फॉर्म हाउस के समीप यात्रा के समापन पर प्रवचन व सांस्कृतिक कार्यक्रम दोपहर दो बजे होंगे। मुख्य अतिथि पूर्व महिला कल्याण अधिकारी, बाल कल्याण समिति की पूर्व सदस्य व पूर्व पार्षद मनीषा केडिया होगी। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नारनौल से आमंत्रित राजयोगिनी बाल ब्रह्मचारी कमल दीदी शिरकत करेगी। जो शिवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्य और राजयोग के महत्व पर प्रकाश डालेंगी। कार्यक्रम के दौरान शिव ध्वज फहराकर विश्व शांति की कामना की जाएगी। नन्हें बच्चों और कलाकारों द्वारा भक्तिपूर्ण नृत्य और नाटकों का मंचन होगा। संस्था की ओर से उपस्थित जनसमूह प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने क्षेत्र के समस्त नागरिकों को इस पावन पर्व पर सादर आमंत्रित किया है।

नीमराना में मनाई गई महात्मा गांधी की पुण्यतिथि, मनरेगा पर चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । कस्बा स्थित कांग्रेस कार्यालय में नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेदप्रकाश सैनी की अध्यक्षता में महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि को शहीद दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर वेदप्रकाश सैनी ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के बारे में विस्तार से चर्चा की। सैनी ने कहा कि मोदी सरकार ने मनरेगा को कमजोर किया है, जिसकी मनरेगा कर्मी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना गरीबों के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसे मजबूत बनाने की आवश्यकता है। इस मौके पर नगर उपाध्यक्ष संजय कुमार यादव, उपाध्यक्ष महावीर चर्खिया, जितेंद्र, सत्यनारायण, रामजस झगडोलिया, प्रवीण, श्योचंद, संदीप उमरावगढ़, पप्पू, मोजीराम आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और मनरेगा योजना को मजबूत बनाने की मांग की।

नीमराना में संपूर्णता अभियान 2.0 का उपखंड स्तरीय आयोजन, जागरूकता रैली व शपथ के साथ 'स्वस्थ, समर्थ ब्लॉक' का संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । शुक्रवार को नीति आयोग के आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत संपूर्णता अभियान 2.0 का उपखंड स्तरीय कार्यक्रम गांधी पार्क (रामलीला मैदान) नीमराना में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत उपखंड कार्यालय नीमराना से मुख्य बाजार होते हुए कार्यक्रम स्थल तक जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों व आमजन ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तहसीलदार नीमराना डॉ. विक्रम सिंह ने आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करते हुए इसके उद्देश्यों एवं महत्व पर प्रकाश डाला। शिक्षा विभाग की छात्राओं ने स्वागत गीत एवं नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को जागरूक किया, वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यकर्ताओं ने पोषण गीत के माध्यम से संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन को नीमराना ब्लॉक में संपूर्णता अभियान के सभी इंडिकेटरों को संतृप्त करने तथा ब्लॉक को स्वस्थ, समर्थ एवं प्रेरणादायक बनाने की दिशा में कार्य करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम स्थल पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। राजीविका विभाग की महिलाओं ने जूट बैग एवं शहद के स्टॉल लगाकर स्वावलंबन का संदेश दिया। कार्यक्रम में पंचायत समिति नीमराना की प्रधान संतोष यादव, पूर्व प्रधान बलवान सिंह यादव, विकास अधिकारी नरेंद्र शर्मा, सहायक विकास अधिकारी ओमप्रकाश निर्मल, मांढण तहसीलदार अर्जुन लाल सालोदिया, ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी कुसुम गोयल, एबीपी फेलो अमन खंडेलवाल, जिला आयोजना अधिकारी मेघा भट्ट, बाल विकास परियोजना अधिकारी सुधीर कुमार, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमलेश यादव, मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सतपाल यादव सहित अनेक अधिकारी, कर्मचारी एवं आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम उत्साह और जागरूकता के वातावरण में संपन्न हुआ।

दस दिवसीय आयुष क्षार सूत्र शल्य चिकित्सा शिविर में अब तक 48 मरीजों का हुआ ऑपरेशन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय आयुष मिशन और आयुर्वेद विभाग की ओर से महावीर भवन में आयोजित नि:शुल्क 10 दिवसीय क्षार सूत्र चिकित्सा शिविर के पांचवें दिन तक कुल 48 अर्श भगन्दर फिशर रोगियों का सफल ऑपरेशन किया जा चुका है। मीडिया प्रभारी डॉ रमेश कस्वां ने बताया कि पांचवे दिन ओपीडी में कुल 347मरीज, अग्नि कर्म चिकित्सा के 33 मरीज पंचकर्म चिकित्सा से 173मरीज, स्त्री रोग के 45मरीज एवं 410 बच्चों को सर्वांगीण विकास हेतु स्वर्ण प्राशन करवाया गया।शिविर प्रभारी डॉ अरुण कुमार सैनी एवं डॉ नंदकिशोर शिवरान ने बताया कि यह शिविर लगातार 4 फरवरी तक जारी रहेगा इसमें आयुर्वेद विभाग की तरफ से सभी आने वाले ओं पी डी मरीजों का सफल उपचार किया जा रहा है ओपीडी मरीजों में आए गुदा रोगों की स्क्रीनिंग कर क्षार सूत्र शल्य चिकित्सा हेतु आईपीडी में भर्ती कर निशुल्क शल्य चिकित्सा की जा रही है एवं भर्ती मरीजों को निशुल्क भोजन आवास व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ महेश कुमार सोनी ने अपील की है कि आमजन इस शिविर का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं।उपाध्यक्ष महावीर चर्खिया, जितेंद्र, सत्यनारायण, रामजस झगडोलिया, प्रवीण, श्योचंद, संदीप उमरावगढ़, पप्पू, मोजीराम आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और मनरेगा योजना को मजबूत बनाने की मांग की।

रामगढ़ पुलिया यादव रेस्टोरेंट के पास हाइवे पर ओपन बॉडी ट्रेलर ट्रक असंतुलित होकर पलटा

मौके पर पहुंची मंडावा पुलिस ने बिखरे सामान को हटाकर अवरूद्ध रास्ता खुलवाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा में बाईपास हाइवे रोड पर रामगढ़ पुलिया यादव रेस्टोरेंट के पास आज ओपन बॉडी ट्रेलर ट्रक असंतुलित होकर पलट गया। हादसा इतना खतरनाक था कि ट्रक के टायर भी टूट कर अलग हो गए। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जान का खतरा टल गया। मंडावा पुलिस ने बताया कि ये सड़क हादसा रामगढ़ पुलिया यादव रेस्टोरेंट के पास हाइवे पर हुआ है। उन्होंने बताया कि ओपन बॉडी ट्रेलर घोड़ा ट्रक सोलर पैनल का सामान भरकर पिलानी से बीकानेर जा रहा था। ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी सेफ्टी दीवार को तोड़कर पलट गया जिससे सारा सामान सड़क पर बिखर गया। मंडावा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अवरुद्ध रास्ते के बिखरे सामान को हटाकर यातायात सुचारू रूप से चालू करवा दिया। हादसे में कोई जान का नुकसान नहीं हुआ है। लोडेड ट्रक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। गनीमत रही कि चालक परिचालक सुरक्षित बच गए।

भजनों और देशभक्ति के गीतों से रिझाया श्रद्धालु भक्तों ने श्याम बाबा को

जैन मंदिर के सामने गोटेवाला परिवार के रघुनाथ कृपा में आयोजित हुआ श्याम बाबा का मासिक कीर्तन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय प्राचीन श्याम हनुमान मंदिर द्वारा संचालित श्याम सहारा परिवार का मासिक कीर्तन जैन मंदिर के सामने स्थित रघुनाथ कृपा में आयोजित कीर्तन में भजनों व देश भक्ति के गीतों से श्रद्धालु भक्तों ने श्याम बाबा को रिझाया। श्याम सहारा परिवार के सुरेश बीबीपुरिया ने बताया कि बाबा के दिव्य ज्योत प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ शुरुआत हुई कार्यक्रम मे भजन गायक सवाई सिंह चौहान, विनय तमोली, सिद्धि शर्मा, खुशी पुजारी, सुनील सोनी, पवन खादूवाला पवन शर्मा निर्मल, पुनीत पाराशर सहित स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनो की प्रस्तुती दी।इस दौरान भक्त देर रात तक श्रद्धा से भक्त झूमते-नाचते रहे तथा वातावरण श्याम भक्ति और देशभक्ति के गीतों से सराबोर हो उठा। जहां एक ओर तिरंगे की थीम पर सजे सिंहासन पर विराजे बाबा का दरबार फूलों, गजरों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया फूलों व इत्र की बरसात ने भक्तों का मन मोह लिया। इस अवसर पर आयोजक व यजमान बजरंग लाल गोटेवाला, अरविंद गोटेवाला, अशोक गोटेवाला, गणेश गोटेवाला ने गायक कलाकारों का स्वागत किया। कार्यक्रम में नथमल भंडारी, संजीव खादूवाला, राकेश नाउवाला, मनोज कुमार खींची, चंद्र प्रकाश चेजारा, रमेश कुमावत, प्रवीण शर्मा, शंकर लाल सैनी, रोहित सैनी, महेश सोनी, बाल कलाकार विनीत बीबीपुरिया, अनिल सोमानी डॉक्टर मोहित मोदी दीपक जाजोदिया श्याम सुंदर खादू वाला राजेश क्याल संजय बीबीपुरिया मुकेश सराफ रजनीश जाजोदिया विनोद बनाइ वाला, रामप्रसाद बनाई वाला अभिषेक बादुसरिया सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति भी उपस्थित रही ।कार्यक्रम का संचालन सुरेश बीबीपुरिया ने किया

दिनवा ग्राम में विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर तैयारी बैठक संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा क्षेत्र के गांव दिनवा में आगामी 8 फरवरी को गणेश मंदिर में होने वाले प्रस्तावित विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर एक महत्वपूर्ण तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्व हिंदू समाज के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं युवाओं की सक्रिय सहभागिता रही। बैठक में विराट हिंदू सम्मेलन के उद्देश्य, समाज को संगठित करने की आवश्यकता, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण तथा सामाजिक समरसता को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में हिंदू समाज का एकजुट होना अत्यंत आवश्यक है, जिससे सामाजिक चेतना और राष्ट्रहित के विचारों को बल मिल सके। बैठक के दौरान सम्मेलन को भव्य एवं सफल बनाने के लिए जनसंपर्क, व्यवस्थाओं एवं जिम्मेदारियों का निर्धारण किया गया। युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन से जुड़ने और समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने का आह्वान किया गया। अंत में सभी उपस्थित जनों ने एकमत होकर विराट हिंदू सम्मेलन को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर सुमेर सिंह, जसवंत सिंह, नाथमल स्वामी, गोपाल सिंह, प्रेम हुड्डा, खेम सिंह, जीवराज सिंह, रेवंत सिंह, पूरन सिंह, राजेन्द्र सिंह, मूल सिंह, बाबूलाल सरवान, राजू सरवान, राकेश आलड़िया, पप्पू राम आलड़िया, सुंदरलाल आलड़िया, हिम्मत सिंह, रूप सिंह, रविंद्र सिंह, रणवीर सिंह, दशरथ सिंह, विकास शर्मा, बबलू सिंह, आर्यन हुड्डा, सुरेश हुड्डा, नागेन्द्र सिंह भोला सिंह, सज्जन शर्मा गंगाराम यादव, जीतेन्द्र सुरोलिया सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बलिदान दिवस पर विधायक चंद्रप्रकाश ने मनरेगा दोबारा लागू करने के लिए समर्थकों के साथ दिया धरना

विधायक चंद्रप्रकाश ने महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि, मनरेगा के समर्थन में दिया धरना

भाजपा मनरेगा को खत्म करके महात्मा गांधी की विचारधारा से कर रही खिलवाड़ : विधायक चंद्रप्रकाश

भाजपा ने मनरेगा का नाम व स्वरूप बदलकर श्रमिकों के काम के अधिकार पर किया कुठाराघात : विधायक चंद्रप्रकाश

मूल स्वरूप के साथ मनरेगा को दोबारा लागू करने के लिए विधायक चंद्रप्रकाश ने तहसीलदार को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हिसार/मंडी आदमपुर।

रजत विजय रंगा । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बलिदान दिवस पर मंडी आदमपुर तहसील के सामने विधायक चंद्रप्रकाश ने श्रद्धांजलि सभा आयोजित करके मनरेगा के समर्थन में धरना दिया। इस धरने में मजदूर संगठनों व रिटायर्ड कर्मचारी संगठनों एवं आदमपुर हलकावासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और मनरेगा को दोबारा लागू करने की मांग की। इस दौरान राष्ट्रपिता के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के उपरांत विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने राष्ट्रपिता के नाम से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू करके गरीब, मजदूर, किसान व पिछड़े वर्ग को काम का अधिकार सुनिश्चित किया था। भाजपा सरकार ने मनरेगा का नाम व मूल स्वरूप बदलकर श्रमिकों के काम के अधिकार पर कुठाराघात किया है। धरने के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेंद्र कासनिया, कॉमरेड सुरेश, सुथारदीन, संदीप बिलेवाल, सुभाष दिनोदिया, पूर्व सरपंच अतर सिंह ज्याणी, अमरजीत ज्याणी, एडवोकेट पूनम, सरपंच रवि सिवाच, सरपंच शमशेर ढाका, सरपंच प्रदीप, सरपंच बलवान फगेडिया, बीडीसी सुरवा शर्मा व जोरावर सिंह दड़ोली सहित कई नेता मौजूद रहें। विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने संविधान में निहित काम के अधिकार को साकार किया और भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा को खत्म करने की साजिश रची जा रही है। इसलिए गरीब, मजदूर और ग्रामीण भारत के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा हेतु कांग्रेस ने मनरेगा बचाओ संग्राम शुरू किया हुआ है। इसके तहत शांतिपूर्ण धरना देकर राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने झूठे व बड़े-बड़े दावे करके सत्ता तो हासिल कर ली है लेकिन अब वह दमनकारी नीति अपना रही है। गरीब, मजदूर, किसान, शोषित, वंचित व पिछड़ा वर्ग की सुध लेने वाला कोई नहीं है। किसान असली खाद, असली बीज, सिंचाई के पानी व पर्याप्त बिजली प्राप्त करने के लिए जूझ रहा है। इसी भांति बढ़ती महंगाई के चलते गरीब आदमी का जीना दूभर हो गया है। इतनी समस्याओं से जूझते हुए श्रमिकों को मनरेगा से भी वंचित किया जा रहा है। चंद्रप्रकाश ने कहा कि लगातार बढ़ती बेरोजगारी व शिक्षा की समुचित व्यवस्था न होने से युवा भटककर नशे की दलदल में धंसते जा रहे हैं। कानून व्यवस्था केवल नाम की रह गई है। अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और अराजकता का माहौल बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा वास्तव में जनहित की सोच रखती है तो उसे तुरंत प्रभाव से वीबी जी राम जी योजना को निरस्त करके मनरेगा के मूल स्वरूप को लागू करना चाहिए। इसके साथ ही रोजगार को बढ़ावा देने वाली योजनाएं लागू करते हुए गरीबों, मजदूरों व किसानों के हित के लिए कार्य करना चाहिए।

विधायक चंद्रप्रकाश ने हलकावासियों से की मुलाकात

हिसार/ मंडी आदमपुर। धरने के उपरांत विधायक चंद्रप्रकाश ने आदमपुर के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पहुंचकर हलकावासियों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनी। लोगों ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य अधर में लटके होने के कारण समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। सड़कों का निर्माण एवं सीवर व पानी की लाइन का काम समय पर पूरा न होने से जनता जूझ रही है। विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि वे सरकार से पहले भी इन कार्यों को जल्द पूरा करवाने की मांग कर चुके हैं। अब दोबारा यही मांग दोहराई जाएगी ताकि जनता को राहत मिल सके।

कलवाड़ी में बाबा समस्का मंदिर में खेल कूद प्रतियोगिता व भंडारे का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । सीहमा खंड के ग्राम कलवाड़ी में बाबा समस्का देव मंदिर में भंडारे के साथ खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बाबा के स्थान पर भक्तजनों ने पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रममें मुख्य अतिथि के रूप में अटेली मार्केटिंग समिति के चैयरमेन दिनेश जेलदार ने शिरकत की और खिलाडियों के लिए 21 हजार रुपये देने की घोषणा की। चेयरमैन दिनेश जेलदार ने कहा कि खेलों से व्यक्ति का शारीरिक विकास होता है। नवयुवकों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में रूचि रखनी चाहिए। 100 मीटर दौड़ में दीपांशु प्रथम, रक्षित द्वितीय रहा। 200 मीटर दौड़ में साहिल प्रथम, भविष्य द्वितीय तथा 300 मीटर दौड़ में निखिल प्रथम, सुभम द्वितीय रहा। मंदिर समिति ने बताया की यह भंडारे और खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन हर साल मंदिर समिति और बस्तीराम कोच के माध्यम से करवाया जाता है। खेलकूद प्रतियोगिताओ में छः साल से लेकर 15 साल के बच्चे भाग लेते है जिसमे दौड़ लगाना कुश्ती आदि खेल शामिल है। बाबा मंदिर परिसर में आस पास के श्रद्धालु भोजन के साथ-साथ इस दिन खेल कूद प्रतियोगिता का आनंद लेते है। डा. पुखराज यादव द्वारा आज मुख्य अतिथि के पहुंचने पर समस्त ग्रामवाशियो की तरह से स्वागत और अभिनन्दन किया गया और बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए ग्यारह हज़ार रूपये की राशि देने की घोषणा की। गांव के सरपच के साथ-साथ समिति सदस्यों, ग्राम के मौजिजान लोगों और आस पास से आये लोगों द्वारा भी बच्चो को प्रोत्साहन राशि दी गयी। समारोह में मुख्य रूप से सरपंच बाबूलाल, पूर्व सरपच अजित सिंह, कंवर सिंह पूर्व सरंपच, पंकज कुंजपुरा, विजय नुनीवाल, कवर सिंह, बलवंत पंच, अजित सिंह, समिति सदस्य नन्दराम, राजाराम, अरविन्द, अनिल फांडन, मोनू कलवाड़ी, बस्तीराम कोच, हनुमान मास्टर, सचिन कलवाड़ी दीपक शर्मा, और ग्राम के समस्त गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चौमूं-रेनवाल रोड पर लगातार बढ़ रहे हादसे:विधायक ने फोरलेन सड़क निर्माण जल्द शुरू करवाने की रखी मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज

चौमू । राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र के दौरान चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने चौमूं-रेनवाल रोड (वाया कालाडेरा स्टेट हाईवे) की गंभीर स्थिति का मुद्दा उठाया। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की। विधायक डॉ. बराला ने सदन को बताया कि यह मार्ग वर्तमान में अत्यधिक दुर्घटना संभावित क्षेत्र बन गया है। इस सड़क पर लगातार हो रही दुर्घटनाएं प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण हैं, जिनमें कई लोगों की जान जा चुकी है और अनेक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह मार्ग मंडा भिण्डा और कालाडेरा रीको औद्योगिक क्षेत्र को जोड़ता है, जिससे प्रतिदिन भारी वाहन, ट्रक और टैंकर गुजरते हैं। अत्यधिक यातायात दबाव, जर्जर सड़क संरचना और सीमित चौड़ाई के कारण यह मार्ग आमजन के लिए जोखिम भरा हो गया है। डॉ. बराला ने टांकरड़ा और कालाडेरा बस स्टैंड सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर अतिक्रमण और अनियंत्रित यातायात का भी उल्लेख किया।

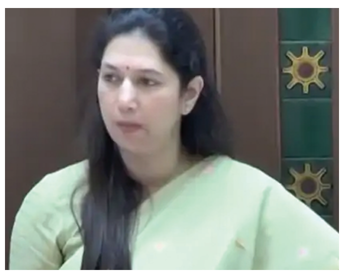

इससे सड़क की उपयोगी चौड़ाई कम हो गई है, जिसके परिणामस्वरूप प्रतिदिन गंभीर जाम लगते हैं और नागरिकों को परेशानी होती है। विधायक ने सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि पिछले बजट में चौमूं-रेनवाल रोड के चौड़ीकरण के लिए डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) हेतु बजट स्वीकृत किया गया था। हालांकि, अब तक न तो इसकी स्थिति स्पष्ट की गई है और न ही निर्माण कार्य शुरू हुआ है, जो सरकार के वादों और कार्यों में अंतर को दर्शाता है। डॉ. शिखा मील बराला ने सरकार से मांग की कि इसी बजट में चौमूं-रेनवाल रोड को डिवाइडर सहित फोर लेन के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने टांकरड़ा, कालाडेरा और अन्य बस स्टैंडों तथा सड़क किनारे से अतिक्रमण तत्काल हटाने और स्वीकृत डीपीआर के आधार पर निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के लिए एक निश्चित समय-सीमा तय करने की भी मांग की, ताकि क्षेत्रवासियों को सुरक्षित और सुचारु यातायात सुविधा मिल सके।

उदयपुरवाटी नगर पालिका क्षेत्र में किये ऐतिहासिक कार्य- अध्यक्ष एडवोकेट रामनिवास सैनी

अध्यक्ष रामनिवास सैनी के कार्यकाल के समापन पर हुआ विदाई समारोह

जनप्रतिनिधियों ने अध्यक्ष रामनिवास सैनी के सराहनीय कार्यों की की भूरि भूरि प्रशंसा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । नगर पालिका उदयपुरवाटी में अध्यक्ष एडवोकेट रामनिवास सैनी के कार्यकाल के समापन के 5 वर्ष पूर्ण होने पर शुक्रवार को विदाई समारोह आयोजित हुआ। विदाई समारोह में भाजपा नेता दशरथ सिंह शेखावत, अध्यक्ष एडवोकेट रामनिवास सैनी ,भाजपा नेता कुबेर सिंह शेखावत ,पूर्व अध्यक्ष रुडमल सैनी ,मोहम्मद अजीज, बला राम सैनी, मास्टर जगदीश कुमावत ,श्यामलाल सैनी, माहिर खान, सुरज्ञान सैनी आदि अतिथियों की मौजूदगी में अध्यक्ष का 5 वर्ष के कार्यकाल समापन पर विदाई समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर पार्षद मोहम्मद अजीज बलाराम सैनी, भाजपा नेता कुबेर सिंह शेखावत ,भाजपा नेता डॉक्टर दशरथ सिह शेखावत ,मास्टर जगदीश कुमावत, मदन सैनी सहित आदि ने एडवोकेट रामनिवास सैनी के 5 वर्ष के कार्यकाल में हुए ऐतिहासिक कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की है। अध्यक्ष एडवोकेट रामनिवास सैनी ने समारोह में संबोधित करते हुए कहा कि 70 वर्ष में जो कार्य नहीं हुए है वे मेरे 5 वर्ष के कार्यकाल में ऐतिहासिक कार्य करके एक मिसाल काम की है जिसमें शाकंभरी गेट से शाकंभरी जाने वाली 2 किलोमीटर लंबी, 60 फीट चौड़ी रोड का निर्माण ,राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में अतिक्रमण को हटाकर सरकारी कॉलेज की स्थापना, झुंझुनू रोड से धनावता तक सड़क का निर्माण,मनसा कॉलेज से बणी मौहल्ला तक बड़ी बस, ट्रक जाने के लिए चौड़ाइकरण सड़क का निर्माण, रेगरो के मोहल्ले में पानी निकासी के लिए बड़े नालों का निर्माण, उदयपुरवाटी झुंझुनू रोड पर पानी निकासी के लिए नालों का निर्माण, उदयपुरवाटी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ट्रॉमा सेंटर, नगर पालिका क्षेत्र में हजारों पट्टे जारी करना,नई सब्जी मंडी के पास उदयपुरवाटी से झुंझुनू रोड पर नगर पालिका की 5 बीघा जमीन को मुक्त कर नगर पालिका के अधीनस्थ सहित आदि सराहनीय कार्य हुए हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष एडवोकेट रामनिवास सैनी ने आए हुए अतिथि गणों का आभार प्रकट करके धन्यवाद दिया। इस दौरान अध्यक्ष एडवोकेट रामनिवास सैनी ने नगर पालिका के कर्मचारियों को सम्मानित किया। इस दौरान सांवरमल सैनी, ओंकारमल सैनी, शिव प्रसाद चेजारा, ताराचंद सैनी, भागीरथ सैनी, द्वारका असवाल, विनोद सैनी, इस्लामुद्दीन मीर ,जमील कुरैशी, यूनुस कुरैशी सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद थे।

उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग नारनौल ने हल्दीराम फूड इंटरनेशनल व दुकानदार पर 25 हजार का रुपए जुर्माना लगाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.अटेली।

मनोज बुलाण । जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग नारनौल ने हल्दीराम फूड इंटरनेशनल प्राइवेट लि. व मंडी अटेली के एक दुकानदार पर 25 हजार का रुपए जुर्माना लगाया है। एक उपभोक्ता की शिकायत के परा यह फैसला सुनाया है।अटेली-बेगपुर निवासी एडवोकेट विक्रम सिंह ने बताया कि मनीष यादव ने 6 जून 2020 को अटेली मंडी के एक दुकानदार से हल्दीराम आलू भुजिया का पैकेट खरीदा था जिस पर कंपनी न 230 ग्राम वजन का मूल्य वसूल किया था लेकिन देखने में पैकेट का वजन कम लग रहा था इसलिए मनीष यादव ने उक्त पैकेट का वजन डिजिटल काटे पर कराया तो पैकेट का वजन 156 ग्राम निकला जिस पर मनीष यादव ने अपने वकील विक्रम सिंह से संपर्क किया तो एडवोकेट ने मनीष यादव को को कंपनी को इंटीमेट करने की सलाह दी जिस पर उपभोक्ता ने एक मेल हल्दीराम कंपनी को 8 अक्टूबर 2020 को भेजी मेल मिलने के बाद भी कंपनी ने उपभोक्ता को कोई संतोषजनक जबाब नहीं दिया जिस पर उपभोक्ता अपने वकील के माध्यम से जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग नारनौल में शिकायत अंकित करवाई जिस पर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के मेंबर डीएम यादव ने 21 जनवरी को अपना फैसला सुनाते हुए कंपनी व दुकानदार पर 15 हजार का जुर्माना व 10 हजार का मानसिक रूप प्रताड़ित करने का जुर्माना लगाया।

फतेहाबाद पुलिस अधीक्षक ने भट्टू कलां शहर में किया पैदल भ्रमण; थाने का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा

एसपी ने स्वयं स्कैन कर जांची फीडबैक प्रणाली

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/भट्टू कलां।

रजत विजय रंगा । जिले में कानून एवं व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस ने आज भट्टू कलां शहर में पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। यह पैदल भ्रमण बैनिवाल मेडिकल हॉल, हिसार रोड, भट्टू कलां से प्रारंभ होकर भट्टू शहर के विभिन्न बाजार क्षेत्रों व मुख्य मार्गों से होते हुए संपन्न हुआ।

निरीक्षण और सुरक्षा व्यवस्था:

पैदल भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने शहर की यातायात व्यवस्था, बाजारों में भीड़ प्रबंधन, पुलिस गश्त तथा संदिग्ध गतिविधियों की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने आम नागरिकों, दुकानदारों और राहगीरों से सीधा संवाद कर उनकी सुरक्षा से जुड़े मुद्दों, सुझावों और शिकायतों को गंभीरता से सुना। इस दौरान DSP कलां संजय सिंह, थाना प्रभारी उपनिरीक्षक राधे श्याम सहित अन्य पुलिस अधिकारी भी साथ मौजूद रहे।

थाना भट्टू कलां का औचक निरीक्षण:

पैदल भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना भट्टू कलां का भी विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई, मालखाना, हवालात और कंप्यूटर कक्ष का जायजा लिया। उन्होंने थाना के रिकॉर्ड को अपडेट रखने और पेंडिंग मामलों का जल्द निस्तारण करने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

फीडबैक सिस्टम की तकनीकी जांच:

भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने पुलिसिंग में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने थाना में शिकायतकर्ताओं की सुविधा और फीडबैक के लिए लगाए गए डिजिटल स्कैनर (QR Code) की जांच की। एसपी साहब ने स्वयं अपने मोबाइल फोन से स्कैनर को स्कैन करके यह सुनिश्चित किया कि यह तकनीक सुचारू रूप से कार्य कर रही है या नहीं, ताकि शिकायतकर्ताओं का फीडबैक बिना किसी बाधा के पुलिस मुख्यालय तक पहुंच सके।

आमजन में सुरक्षा का भाव:

पैदल भ्रमण के माध्यम से पुलिस अधीक्षक ने शहर में पुलिस की सक्रिय उपस्थिति का स्पष्ट संदेश दिया, जिससे व्यापारियों व स्थानीय नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सतर्कता बढ़ाई जाए तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए।

संवेदनशील पुलिसिंग पर जोर:

अंत में पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन ने कहा कि पुलिस का प्राथमिक दायित्व आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। जनता के साथ संवेदनशील व्यवहार, त्वरित सुनवाई और पारदर्शी कार्यप्रणाली पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि कानून-व्यवस्था और ड्यूटी में कोताही बरतने वाले किसी भी कर्मचारी के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा पीड़ितों के पुनर्वास की दिशा में पुलिस की संवेदनशील पहल

फतेहाबाद व टोहाना क्षेत्र में नशा मुक्ति टीमों द्वारा काउंसलिंग, उपचार व जागरूकता अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहें ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा पीड़ितों को मुख्यधारा में लाने एवं उनके उपचार व पुनर्वास की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में उपनिरीक्षक सुंदर के कुशल नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद द्वारा नागरिक अस्पताल फतेहाबाद में भर्ती नशा पीड़ितों का हाल-चाल जाना गया तथा उन्हें आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। इस दौरान टीम द्वारा करनौली गांव के 01 तथा सहनाल गांव के 01 नशा पीड़ित को चिन्हित कर उन्हें आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं। इसके उपरांत जांडवाला सोतर गांव के 01 नशा पीड़ित सहित कुल 03 नशा पीड़ितों को चिन्हित करते हुए काउंसलिंग करवाई गई तथा उन्हें समुचित इलाज की सुविधा दिलवाई गई। नशा मुक्ति टीम द्वारा पीड़ितों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए उपचार को नियमित रूप से जारी रखने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं, नशा मुक्ति टीम टोहाना ने सहायक उपनिरीक्षक सज्जन कुमार के कुशल नेतृत्व में गांव धारसुल कलां में नशा मुक्ति कैंप का आयोजन किया। इस कैंप में गांव धारसुल सहित आसपास के गांवों से कुल 24 नशा पीड़ितों ने भाग लेकर अपना उपचार करवाया। सभी नशा पीड़ितों की सैंपलिंग करवाई गई, जिसमें 06 नशा पीड़ित एचसीवी पॉजिटिव तथा 01 नशा पीड़िता एचआईवी पॉजिटिव पाई गई। टीम द्वारा संबंधित पीड़ितों को आवश्यक मार्गदर्शन देते हुए आगे का उपचार नागरिक अस्पताल फतेहाबाद अथवा अग्रवाल अस्पताल से करवाने बारे अवगत करवाया गया। कैंप में उपस्थित डॉक्टरों द्वारा सभी मरीजों को एलोपैथिक एवं आयुष पद्धति की दवाइयां भी उपलब्ध करवाई गईं। इस अवसर पर गांव के सरपंच सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिन्होंने पुलिस द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान की सराहना की तथा नशा मुक्त समाज निर्माण में सहयोग का भरोसा दिलाया।

घूंघट से ग्लोबल मंच तक : हॉकी वाली सरपंच नीरू यादव ने रचा ग्राम स्वराज का नया अध्याय

हरियाणा में संस्कार, राजस्थान में सेवा–लांबी अहीर की सरपंच बनी राष्ट्रीय पहचान

भीम प्रज्ञा सर्च स्टोरी@झुंझुनूं।

नवीन कुमार । ग्रामीण भारत की मिट्टी में जन्मी नेतृत्व क्षमता जब सेवा, साहस और संवेदनशीलता से जुड़ती है, तब इतिहास रचता है। ऐसी ही प्रेरक कहानी है नीरू यादव की–जिनकी पढ़ाई-लिखाई और परवरिश हरियाणा में हुई, लेकिन विवाह के बाद ससुराल राजस्थान के झुंझुनू जिले की लांबी अहीर ग्राम पंचायत में आकर उन्होंने न केवल सामाजिक बंधनों को तोड़ा, बल्कि सरपंच पद को सेवा, नवाचार और परिवर्तन का सशक्त माध्यम बना दिया।

घूंघट की मर्यादा में रहकर नेतृत्व की नई परिभाषा

ससुराल की चौखट पर कदम रखते ही नीरू यादव ने ग्रामीण संस्कृति, परंपरा और पहनावे को पूरी गरिमा के साथ अपनाया। घूंघट की मर्यादा में रहते हुए उन्होंने नेतृत्व का नया मानक स्थापित किया–जहां संस्कारों से समझौता किए बिना आत्मविश्वास, स्पष्ट दृष्टि और निर्णायक कार्यशैली दिखाई दी। ग्रामीण परिधान और सादगी के साथ वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचीं और अपनी बेबाक व सारगर्भित वाणी से यह संदेश दिया कि गांव भी वैश्विक संवाद की शक्ति रखते हैं।

शहीद सुरेश सिंह राजकीय विद्यालय में प्ले-स्कूल: भविष्य की मजबूत नींव

लांबी सहड़ स्थित शहीद सुरेश सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में इंग्लिश मीडियम प्ले-स्कूल व बाल वाटिका की स्थापना कर नीरू यादव ने प्रारंभिक शिक्षा को नई दिशा दी। स्पष्ट किया गया कि उन्होंने यहां से पढ़ाई नहीं की; उद्देश्य केवल इतना था कि गांव के नन्हे बच्चों को आधुनिक, आनंददायक और समावेशी शिक्षा मिले।

प्ले-स्कूल की विशेषताएं–

बुक-फ्री एजुकेशन, खेल-खेल में सीखना, बेसिक से व्यावसायिक ज्ञान की तैयारी के साथ ही, 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले बच्चों के लिए स्वयं के खर्च से परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाई गई, ताकि दूरी किसी प्रतिभा की राह न रोके।

आदित्री फाउंडेशन: महिला सशक्तिकरण और प्लास्टिक-मुक्त पंचायत

आदित्री फाउंडेशन के माध्यम से नीरू यादव ने प्लास्टिक-मुक्त गांव की ठोस पहल की। बर्तन बैंक, स्वयं सहायता समूहों का गठन और महिलाओं के लिए आजीविका-आधारित प्रशिक्षण ने गांव में आत्मनिर्भरता की नई लहर पैदा की। महिलाएं आज केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि निर्णय-निर्माता के रूप में उभर रही हैं।

पर्यावरण, मुक्तिधाम और गो-संरक्षण: विकास के साथ संस्कार

मुख्य सड़कों के दोनों ओर वृक्षारोपण, ट्री-गार्ड और नियमित संरक्षण से गांव हरा-भरा हुआ। लांबी अहीर का मुक्तिधाम आज एक आदर्श स्थल के रूप में पहचाना जाता है–जहां आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रप्रेम के संदेश परिवेश को संस्कारित करते हैं।

हॉकी से बेटियों को उड़ान

स्वयं हॉकी खिलाड़ी रहीं नीरू यादव ने बालिकाओं को खेलों से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण, उपकरण और मार्गदर्शन की व्यवस्था की। पंचायत संसाधनों के साथ निजी सहयोग से गांव की बेटियां राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचीं–यह प्रमाण है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती, बस अवसर चाहिए।

सोशल मीडिया पंचायत: देशभर की महिला सरपंचों के लिए प्रेरणा

'पंचायत सीरीज' के जरिए सोशल मीडिया पर पंचायत कार्यों का नियमित प्रसारण कर नीरू यादव ने पारदर्शिता और सीख की संस्कृति को बढ़ाया। देशभर की महिला जनप्रतिनिधियों ने इससे प्रेरणा लेकर अपने-अपने गांवों में बदलाव की शुरुआत की।

जब ससुराल से सेवा का संकल्प जन्म ले

हरियाणा में संस्कार पाए, राजस्थान में सेवा का परचम लहराया–नीरू यादव ने सिद्ध किया कि नेतृत्व पद से नहीं, नीयत से पैदा होता है। आज लांबी अहीर एक मॉडल ग्राम पंचायत के रूप में पहचानी जाती है और इसकी प्रेरणा हैं, घूंघट में वैश्विक पहचान बनाने वाली हॉकी वाली सरपंच नीरू यादव। यह कहानी केवल एक सरपंच की नहीं, बल्कि उस ग्रामीण भारत की है जो आत्मविश्वास के साथ दुनिया से संवाद कर रहा है।

केबीसी से यूएनओ तक : पुरस्कार को निजी नहीं, सार्वजनिक हित में बदला

नीरू यादव की यात्रा में कौन बनेगा करोड़पति में प्रतिभाग कर पुरस्कार जीतना और फिर संयुक्त राष्ट्र संगठन में सरपंच प्रतिनिधि के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना उल्लेखनीय अध्याय है। सबसे खास बात–प्राप्त धनराशि को उन्होंने निजी सुख-सुविधाओं पर खर्च करने के बजाय शिक्षा, जनकल्याण और सामुदायिक विकास के लिए समर्पित किया। यह कदम उनके नेतृत्व की नीयत और प्राथमिकताओं को रेखांकित करता है।

टोहाना बुडलाडा कालोनी आश्रम से अमन महंत ने दो गरीब कन्याओं का विवाह पर सारा समान दिया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना की रतिया रोड़ स्थित मंहत अमन जाटणी के नाम से माता रांची की चौकी की भगत है तथा इस पास के क्षेत्रों में गरीब परिवारों की लड़कियों की शादी निःशुल्क तो करवाती ही है इसके बाद लड़की को दहेज दान का लगभग दो लाख तक सामान गरीब कन्याओं को भेंट स्वरूप दान करती है।केवल उन्होंने गरीब कन्याओं के परिवारों को व्यक्तिगत रूप से मिल कर गरीब कन्याओं को अलमारी, डबल बेड, कुलर, बिस्तर, 51-51महिलाओं के लेडिज सूट,रसोई के हर प्रकार कै बर्तन,गैस चूल्हा समेत सैलेडर भेंट किया।मंहत अमन जाटणी ने बताया कि वे हर महीने 2-4परिवारों की जरूरतमंद व गरुड़ कन्याओं की शादी का खर्च व दान दहेज का सारा खर्च वह स्वयं वहन करती है।अमन महंत के इस प्रकार की शादी में सहायता का पूरे क्षेत्र में चर्चा है।?विदीत रहे समय समय पर मंहत ग़रीब परिवारों की सहायता के लिए हमेशा तैयार रहती है।अमन जाटणी नाम से स्थानीय लोगों में महसूर महंत अमन जाटणी माता रांची की चौकी भी लगाती है तथा जागरण के माध्यम से लोगों के दु:खों का भी निवारण करती है।

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पहुंचे जयपुर:एयरपोर्ट पर ओम बिरला से की मुलाकात

रामबाग होटल में हुआ राजस्थानी अंदाज में स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी शुक्रवार को जयपुर पहुंचे। धोनी दिल्ली से विशेष विमान के जरिए जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां उन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में फैंस भी पहुंच गए। हालांकि धोनी के लिए जयपुर एयरपोर्ट पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। वहीं धोनी ने एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 स्थित वीआईपी लाउंज में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, मंत्री जवाहर सिंह बेढम से मुलाकात की।

एयरपोर्ट से होटल हुए रवाना

धोनी के पहुंचते ही एयरपोर्ट परिसर में मौजूद फैंस की नजरें उन पर टिक गई। हालांकि सुरक्षा कारणों से ज्यादा देर रुकने के बजाय धोनी सीधे एयरपोर्ट से होटल रामबाग के लिए रवाना हो गए। जानकारी के अनुसार, महेंद्र सिंह धोनी निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जयपुर आए हैं। धोनी की सुरक्षा को लेकर होटल प्रबन्धन भी काफी अलर्ट मोड पर है।

धोनी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से एयरपोर्ट पर की मुलाकात

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के बीच गुरुवार को जयपुर एयरपोर्ट पर मुलाकात हुई। ओम बिरला दिल्ली से जयपुर आने वाली फ्लाइट से पहुंचे थे, जबकि महेंद्र सिंह धोनी भी दिल्ली से ही दूसरी फ्लाइट के जरिए जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे। दोनों की मुलाकात एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 स्थित वीआईपी लाउंज में हुई। यहां उनके बीच कुछ समय तक बातचीत भी हुई। इस दौरान मंत्री जवाहर सिंह बेढम और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के ओएसडी राजीव दत्ता भी मौजूद रहे।

पंच परिवर्तन से राष्ट्र परिवर्तन के संदेश के साथ होगा विशाल हिंदू सम्मेलन

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । श्री ग्वालया बाबा धाम मंदिर कालवाड़ रोड जयपुर पर दिनांक 1 फ़रवरी को विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन होगा। आयोजन कर्ताओं द्वारा हाथोज धाम पीठाधीश्वर स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज को सनातन एकता के लिए अपना ओजस्वी संबोधन देने हेतु आमंत्रित किया। सकल हिंदू समाज के तत्वावधान में आयोजित विशाल हिंदू सम्मेलन में संतों एवं महापुरुषों के आशीर्वचन से विशेष आध्यात्मिक और सामाजिक ऊर्जा मिलेगी। इस अवसर पर श्री ग्वालया बाबा गोशाला से ग्वालया बाबा धाम मंदिर तक कलश यात्रा भी निकाली जाएगी। सम्मेलन में सनातनी बंधु, मातृ शक्ति एवं युवा वर्ग शामिल होगा। स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने पंच परिवर्तन से ही राष्ट्र परिवर्तन के उद्देश्य से आयोजित होने वाले सम्मेलन की शुभकामना देकर समाज को संगठित रहने, सनातन संस्कृति की रक्षा करने तथा धार्मिक-सामाजिक चेतना को सशक्त बनाने के लिए सम्मेलन में शामिल होने का आह्वान किया। इस प्रकार के सम्मेलन हिंदू समाज को एकजुट करने, सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने और राष्ट्रभावना को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हरियाणा के मंत्री कृष्ण बेदी का इतना बड़ा कद नहीं है कि वह चौधरी वीरेंद्र सिंह पर टिप्पणी करें-दलित नेता अनूप डांगरा

सार्वजनिक मंच से मंत्री कृष्ण बेदी की हरियाणा के कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता चौधरी विरेन्द्र सिंह पर टिप्पणी से जनता में नाराजगी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा । हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी जो टिप्पणी पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र सिंह परिवार पर कर रहे हैं वह दुर्भाग्यपूर्ण है यह बात धानक समाज के संरक्षक अनूप सिंह डांगरा ने कही उन्होंने कहा कि मंत्री कृष्ण बेदी का राजनीतिक कद इतना नहीं है कि वह चौधरी वीरेंद्र सिंह पूर्व केंद्रीय मंत्री व उनके पुत्र पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह पर यात्रा को लेकर टिप्पणी करें कृष्ण बेदी को बयान देने से पहले सोचना चाहिए कि वह क्या कह रहे हैं और किसके बारे में कह रहे हैं जब कृष्ण बेदी का जन्म नहीं हुआ था उसे वक्त चौधरी वीरेंद्र सिंह चुनाव जीत कर विधानसभा में पहुंचे थे और चौधरी वीरेंद्र सिंह जी का राजनीतिक सफर 55 वर्ष का है इतनी तो कृष्णा वेदी की शायद उम्र भी ना हो चौधरी वीरेंद्र सिंह का राजनीतिक कद हरियाणा ही नहीं पूरे भारत में पहली पंक्ति के नेताओं में आता है.

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का संवेदनशील, भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी सुशासन की दिशा में अहम निर्णय

राजस्थान प्रशासनिक सेवा के 2 सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध दी अभियोजन स्वीकृति

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर, । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 19 के तहत राजस्थान प्रशासनिक सेवा के 2 सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध न्यायिक प्रकरणों में पक्षकारों के साथ कूट-रचना करने तथा नियम विरूद्ध कार्यवाही करने के आरोपों में अभियोजन स्वीकृति जारी की है।

सीएम शर्मा ने राजस्थान गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा सेवा के 1 अधिकारी द्वारा पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में भ्रष्ट एवं अवैध तरीकों को अपनाने के विरूद्ध भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को अभियोजन स्वीकृति प्रदान की है। इसी प्रकार सेवारत अधिकारियों के विरूद्ध संचालित वृहत्त शास्ति के अनुशासनात्मक कार्यवाही के 2 प्रकरणों में वेतन वृद्धियां रोके जाने के दण्ड को अनुमोदित किया तथा एक सेवानिवृत्त अधिकारी की पेंशन रोकने का भी आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने 2 प्रकरणों में नियम 34 सीसीए के तहत पुनरावलोकन याचिका को खारिज करते हुए पूर्व प्रदत्त दण्ड को यथावत रखा तथा 1 प्रकरण में राहत प्रदान करते हुए विभागीय जांच कार्यवाही को प्रस्ताव स्तर पर ही समाप्त किए जाने का अनुमोदन किया है।

हाथोज में विशाल हिन्दू सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब, स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने दिया सनातन एकता का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। बीआर पैराडाइज पीथावास हाथोज कालवाड़ रोड जयपुर पर विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक एकता के संदेश के साथ संपन्न हुआ। सम्मेलन में हाथोज धाम पीठाधीश्वर एवं हवामहल विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने विशेष रूप से सहभागिता कर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित किया। उन्होंने पंच परिवर्तन के माध्यम से राष्ट्र परिवर्तन का आह्वान करते हुए कहा कि संगठित हिन्दू समाज ही भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना को सशक्त बना सकता है। स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने अपने उद्बोधन में सनातन संस्कृति की रक्षा, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और गौ सेवा को जीवन का अभिन्न अंग बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संतों और महापुरुषों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज को जागृत करना ही ऐसे आयोजनों का मूल उद्देश्य है। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और मातृशक्ति की उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्य स्वरूप प्रदान किया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन समाज में संस्कार, संगठन और राष्ट्रभावना को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर योगेन्द्र जी भाईसाहब क्षेत्रीय सह सम्पर्क प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, रामबल्लभ शर्मा जी पूर्व आईपीएस, पूर्व न्यायाधीश सोहनलाल जी शर्मा, अर्जुन सिंह जी राठौड़ पूर्व सूबेदार, शिक्षाविद विजेता सेन जी, कन्हैयालाल जी नांगलिया अम्बेडकर मंच हाथोज, अन्नपूर्णा जी सोनी, समाजसेवी अर्जुन जी सारण, अमरसिंह जी हाथोज, सुरज्ञान जी गुर्जर, राकेश जी यादव, मुकेश जी शर्मा, ओमप्रकाश जी खोखर, कल्याण मल जी, हनुमान जी माड़लया सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

झुंझुनूं डीएसपी गोपाल ढाका समेत जिले के सात जवानों को उत्कृष्ट सेवा पदक

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । डीएसपी गोपाल सिंह ढाका समेत जिले के सात पुलिस जवानों को उल्लेखनीय कार्य करने के लिए उत्कृष्ट सेवा पदक प्रदान किया जाएगा। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने शुक्रवार शाम प्रदेश के 423 पुलिस जवानों व अधिकारियों को अति उत्कृष्ट व उत्कृष्ट सेवा पदक देने की घोषणा की। इसमें झुंझुनूं सिटी डीएसपी गोपाल सिंह ढाका, एएसआई संतरा, हैड कांस्टेबल विद्याधर, सुलताना थाने के हैड कांस्टेबल अनिल कुमार, कांस्टेबल राजकुमार, बुहाना थाने के कांस्टेबल भूपसिंह, एसपी ऑफिस में कार्यरत कांस्टेबल ओमप्रकाश को भी उत्कृष्ट सेवा पदक मिलेगा। डीएसपी ढाका ने पिछले दिनों हिस्ट्रीशीटर की हत्या के 50 हजार रुपए के इनामी बदमाशों को पकड़ने समेत कई उल्लेखनीय कार्य किए।की कि इसी बजट में चौमूं-रेनवाल रोड को डिवाइडर सहित फोर लेन के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने टांकरड़ा, कालाडेरा और अन्य बस स्टैंडों तथा सड़क किनारे से अतिक्रमण तत्काल हटाने और स्वीकृत डीपीआर के आधार पर निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के लिए एक निश्चित समय-सीमा तय करने की भी मांग की, ताकि क्षेत्रवासियों को सुरक्षित और सुचारु यातायात सुविधा मिल सके।

हिंदू जागरण और सामाजिक एकता के लिए दूदू में होगा विशाल हिंदू सम्मेलन

हवामहल विधायक स्वामी बालमुकुन्दाचार्य महाराज को किया सम्मेलन में आमंत्रित

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । हिंदू जागरण को नई दिशा, ऊर्जा और चेतना प्रदान करने के उद्देश्य से सकल हिंदू समाज के तत्वावधान में 'विशाल हिंदू सम्मेलन' का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन 8 फरवरी 2026, रविवार को प्रातः 10:15 बजे से एन.बी. गार्डन, मोजामाबाद रोड, दूदू में आयोजित होगा। आयोजकों ने हिंदू हृदय सम्राट हाथोज धाम पीठाधीश्वर एवं हवामहल विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज को सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। आयोजकों ने कहा कि इस आयोजन में जनभागीदारी से न केवल कार्यक्रम की गरिमा बढ़ेगी बल्कि समाज में नई ऊर्जा का संचार भी होगा। कार्यक्रम के माध्यम से 'संगठित हिंदू - समर्थ भारत' के संकल्प को साकार करने का संदेश दिया जाएगा। स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने सम्मेलन में शामिल होने की सहमति प्रदान कर कहा कि सनातन संस्कृति, सनातन धर्म एवं सामाजिक एकता के सशक्त प्रतीक के रूप में आयोजित किया जा रहा है जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। सम्मेलन से समाज में वैचारिक जागरण, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय भावना का विस्तार होगा।

भारत- न्यूजीलैंड के बीच आज होगा पांचवां और अंतिम टी20

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले ही शुरुआती तीन मैच जीतकर सीरीज जीत ली है। ऐसे में उसपर कोई दबाव भी नहीं रहेगा। भारतीय टीम को चौथे टी20 में लक्ष्य का पीछा करते हुए हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में टीम अपनी इस कमजोरी को इस मैच में दूर करना चाहेगी। भारतीय टीम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन इस सीरीज में अच्छा रहा है पर सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन अब तक सीरीज में असफल रहे हैं। सैमसन अब अपने घरेलू मैदान पर बड़ी पारी खेलकर अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप से पहले लय हासिल करना चाहेंगे। इसी कारण सभी की नजरें उनपर रहेंगी। वहीं अगर सैसमन इस मैच में रन नहीं बना पाते हैं तो विश्कप में उन्हें टीम में शायद ही जगह मिले। इससे पहले चौथे टी20 मैच में भारतीय टीम ने पांच मुख्य गेंदबाजों को ही खिलाया था और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे से गेंदबाजी नहीं करवाई। भारतीय टीम ये मैच हार गयी है। ऐस में अंतिम मैच में एक बार फिर गेंदबाजी संयोजन में बदलाव किया जा सकता है। इस मैच में एक बार फिर रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को अवसर मिल सकता है। ऑलराउंडर अक्षर पटेल नागपुर में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उंगली में चोट लगने के बाद से नहीं खेले हैं उन्हें भी फिट होने पर इस मैच में जगह मिल सकती है।

अब तक सीरीज में किये प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम इस सीरीज में जीत की प्रबल दावेदार बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर कीवी टीम भी इस मैच ो जीतकर विश्वकप से पहले अपनी लय और मनोबल को बढ़ाना चाहेगी।, पिछले मैच में उसके गेंदबाज और बल्लेबाज सफल रहे थे जिससे उसका हौंसला बढ़ेगा।

विशाखापत्तनम में भारतीय टीम के केवल शिवम दुबे ही कीवी गेंदबाजों के सामने टिक पाये थे। यहां के मैदान की बात करें तो

इसमें बड़े स्कोर बने हैं। भारतीय टीम ने यहां खेले गए अपने चार टी20 मैचों में से तीन जीते हैं, जिसमें 2017 में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीता गया एक मैच भी शामिल है। वहीं मेहमान टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा, हम जानते हैं कि भारतीय टीम को हराने के लिए क्या करने की जरुरत है। ऐसे में यहां एक रोमांचक मुकाबला होना तय है। सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट के टीम में शामिल होने से भी न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी बेहतर हुई है। टीम को हालांकि अपनी गेंदबाजी बेहतर करनी होगी। इस मैच में कीवी टीम फिट होने पर अपने मुख्य तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन को भी शामिल कर सकती है।

टीम इस प्रकार है

भारत = सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह , वरुण चक्रवर्ती

न्यूजीलैंड = मिशेल सेंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, टिम सीफर्ट, रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी।

ऑस्ट्रेलियाइ ओपन : गैडेकी और पीयर्स ने मिश्रित युगल खिताब जीता

मेलबर्न (एजेंसी)। स्थानीय खिलाड़ी ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस के मिश्रित युगल का खिताब जीत लिया है। गैडेकी और पीयर्स की जोड़ी ने खिताबी मुकाबले में फ्रांस की क्रिस्टीना म्लाडेनोविक और मैनुअल गिनार्ड को 4-6, 6-3, 10-8 से हराया। गैडेकी और पीयर्स साल 1988-89 में जाना नोवोत्ना और जिम पुघ के बाद मिश्रित युगल खिताब बरकारार रखने वाली पहली जोड़ी बन गईं है। ये जोड़ी साल 1963-64 में मार्गरेट कोर्ट और केन फ्लेचर के बाद अपने घरेलू स्लैम में लगातार खिताब जीतने वाली पहली ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी है। गैडेकी ने ट्रॉफी के एक समारोह में इस जीत पर खुशी जतायी है।

इस जीत के साथ ही पीयर्स ने तीसरा मिश्रित युगल खिताब जीता है। इससे पहले उन्होंने साल 2022 में स्टॉर्म सैंडर्स के साथ अमेरिकी ओपन भी जीता था। वहीं उन्होंने साल 2017 में फिनलैंड के हेनरी कोंटिनेन के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल जीता था। इसके अलावा मैथ्यू एब्डेन के साथ जोड़ी बनाकर 2024 पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। दूसरी ओर ये गैडेकी का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले उन्होंने साल 2025 में पीयर्स के साथ मेलबर्न पार्क में जीत हासिल की थी।

डिकॉक के शतक से दक्षिण अफीका ने दूसरे टी20 में वेस्टइंडीजी को सात विकेट से हराया

सुपरस्पोर्ट पार्क (एजेंसी)। क्विंटन डिकॉक की शतकीय पारी की सहायता से मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने यहां दूसरे अंतरराष्ट्रीय टी20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने चार विकेट पर 221 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीक ने डिकॉक की आक्रामक पारी की सहायता से 17.3 ओवर में ही 225 रन बनाकर हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने इस जीत के साथ ही 220 से ज्यादा रनों का सबसे तेजी से पीछा करने का रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इससे पहले कोई भी टीम इतने कम ओवरों में इतना स्कोर नहीं बना पायी है। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय में ये दूसरी बार है जब दक्षिण अफ्रीका की टीम इतने बड़े लक्ष्य का पीछा कर पायी है। साल 2023 में दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज टीम के खिलाफ 259 रन के लक्ष्य का पीछा कर जीत दर्ज की थी। दक्षिण अफ्रीका की इस जीत के हीरो डिकॉक रहे। डिकॉक ने 49 गेंदों में 10 छक्के और 6 चौके लगाकर 115 रन बनाये। डिकॉक ने पारी की शुरुआत के साथ ही हमले शुरु कर दिये। उनका रेयान रिकेल्टन ने भी नाबाद 77 रन बनाकर अच्छा साथ दिया। उन्होंने केवल 36 गेंदों में तीन छक्के और 9 चौके लगाकर 77 रन बनाकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डिकॉक और रिकेल्टन के बीच

162 रन की साझेदारी हुई। ये इस पारी में किसी भी विकेट के लिए दक्षिण अफ्रीका की ओर से चौथी सबसे बड़ी पार्टनरशिप का रिकॉर्ड है. डिकॉक का यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरा शतक है ! मैच के बाद डिकॉक ने बताया कि 44 गेंदों में यह शतक उन्होंने उधार लिए बल्ले से बनाया। डिकॉक ने कहा, ' वह अपना बल्ला घर पर ही भूल गये थे। इसके बाद उन्होंने डेवाल्ड ब्रेविस से बल्ला मांगा था।' डिकॉक ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ब्रेक ले लिया था। इससे पहले वेस्टइंडीज की टीम ने ब्रैंडन किंग के 49 और सिमरन हेटमायर के 75 रनों की सहायता से दूसरे विकेट के लिए 62 गेंदों में ही 126 रन की मजबूत साझेदारी बनायी। वहीं शेरफेन रदरफोर्ड ने 24 गेंदों में नाबाद 57 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से स्पिनर केशव महाराज ने 4 ओवर में 2 विकेट लेकर 22 रन दिए।

अंडर-19 विश्व कप : भारत-पाकिस्तान के सुपर सिक्स मुकाबले से तय होगी सेमीफानल की टीमें

बुलवायो (एजेंसी)। आईसीसी अंडर-19 विश्वकप सुपर सिक्स मुकाबले में भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच एक फरवरी को यहां के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में मुकाबला होगा। इसमें जीत के साथ ही दोनो ही टीमें सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगी। इस प्रतियोगिता के दूसरे दौर में क्वालीफाई करने वाली 12 टीमों में से पांच टीमें सेमीफाइनल से पहले ही बाहर हो गयी है। वहीं अब ग्रुप 1 से ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, श्रीलंका और वेस्ट इंडीज जबकि जबकि ग्रुप 2 से भारत, इंग्लैंड और पाकिस्तान ग्रुप 2 सेमीफाइनल की दौड़ में शामिल हैं। भारत और इंग्लैंड दोनो ही टीमें छह-छह अंक लेकर शीर्ष पर हैं पर बेहतर रन रेट के कारण भारतीय टीम पहले जबकि इंग्लैंड दूसरे नंबर पर है। पाकिस्तान चार अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

अगर भारतीय टीम जीतती है या मैच का कोई परिणाम नहीं निकलता है तो पाकिस्तान टीम पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो जाएग। वहीं अगर

पाकिस्तान बड़ी जीत हासिल करता है, तो भारतीय टीम के भी बाहर होने की संभावना है। हालांकि, अगर उनकी जीत का अंतर बहुत बड़ा नहीं होता, तो भारत और इंग्लैंड दोनों ही क्वालीफाई कर जाएंगे। ग्रुप 2 की तीनों दावेदार टीमों के सुपर सिक्स चरण में अभी एक-एक मैच होना है। ऐसे में इंग्लैंड का मुकाबला न्यूजीलैंड से 30 जनवरी को होगा। भारत और इंग्लैंड सेमीफाइनल की दौड़ में आगे हैं, वहीं पाक की संभावनाएं इंग्लैंड और न्यूजीलैंड मैच के परिणाम पर निर्भर रहेंगी। अगर इंग्लैंड न्यूजीलैंड को हरा देता है तो वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं अगर भारतीय टीम पाकिस्तान को हराया देती है या बारिश के कारण मैच रद्द होता है तो भी इंग्लैंड नॉकआउट में पहुंच जाएगी। वहीं पाकिस्तान के पास भी अवसर हैं पर लेकिन इसके लिए उन्हें बड़ी जीत हासिल करनी होगी। वहीं अगर इंग्लैंड कीवी टीम से हार जाती है तो इंग्लैंड के नेट रनरेट में गिरावट आएगी और ऐसे में उनहें भारत और पाक मैच के परिणाम पर निर्भर रहना होगा। ऐसे में पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड हो पीछे छोड़ सकती है।

एमबापे के दो गोल के बावजूद हारा रियाल मैड्रिड, बार्सिलोना आगे बढ़ा

लंदन । स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबापे के दो गोल के बावजूद रियाल मैड्रिड को चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में बेनफिका से 4-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस

मैच से पहले रियाल मैड्रिड 36 टीमों की तालिका में तीसरे स्थान पर था लेकिन अब वह नौवें स्थान पर खिसक गया जो अंतिम 16 में सीधे प्रवेश पाने से एक स्थान नीचे है। बेनफिका की तरफ से यूक्रेन के गोलकीपर अनातोली ट्रूबिन ने इंजरी टाइम के आठवें मिनट में गोल किया। इससे बेनफिका गोल अंतर के आधार पर 24वें स्थान पर पहुंच गया और उसने प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित कर ली। अनातोली ने जब गोल किया तब रियाल मैड्रिड नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रहा था। इससे कुछ मिनट पहले ही राउल असेंसियो और रोड्रिगो को लाल कार्ड दिखाए गए थे। स्पोर्टिंग लिस्बन ने एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ 3-2 से जीत हासिल की, जिससे रियाल मैड्रिड शीर्ष आठ से बाहर हो गया। स्पोर्टिंग ने अप्रत्याशित रूप से लिवरपूल, टॉटेनहम, बार्सिलोना, चेल्सी और मैनचेस्टर सिटी के साथ शीर्ष आठ में जगह पक्की कर ली। तालिका में शीर्ष पर काबिज आर्सेनल ने कैरात अल्माटी को 3-2 से हराकर लगातार आठवीं जीत दर्ज कीं। वह और दूसरे स्थान पर काबिज बायर्न म्यूनिख पहले ही मार्च में शुरू होने वाले राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए थे।

सीमित ओवरों के क्रिकेट में जगह बनाना चाहते हैं सरफराज

मुंबई । बल्लेबाज सरफराज खान घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अब भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाये हैं। सरफराज का सपना सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम में जगह बनाना है। उन्हे अब तक टेस्ट क्रिकेट में कुछ अवसर मिले जिसमें उनका प्रदर्शन अच्छा रहा। इसके बाद भी उन्हें बाहर कर दिया गया। अब इस क्रिकेट का लक्ष्य अपने प्रदर्शन से वापसी करना है। इस क्रिकेटर ने कहा कि वह अपने प्रदर्शन और फिटने को बेहतर करने पर ध्यान दे रहे हैं। साथ ही

कहा कि वह भारतीय टीम के लिए सीमित ओवरों के क्रिकेट में खेलना चाहते हैं और उसी को देखते हुए तेजी से रन बनाने पर ध्यान दे रहे हैं।' आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम में शामिल किये जाने से भी वह उत्साहित हैं। साथ ही अपने को सौभाग्यशाली मानते हैं। उन्हें धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने से भी खुशी हुई है. इस बल्लेबाज ने कहा, 'मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं सीएसके के लिए खेल पाऊंगा। मेरा सपना इस पीढ़ी के दिग्गज खिलाड़ियों के साथ खेलने का था।' उन्होंने कहा, 'विराट भाई के साथ मैंने आरसीबी में खेला। रोहित भाई के साथ कभी नहीं खेला था और मुझे नहीं लगा था कि मौका मिलेगा पर फिर टेस्ट टीम में उनके साथ खेला।' उन्होंने कहा, 'धोनी भाई के संन्यास के बाद लगा था कि उनके साथ खेलने का मौका नहीं मिलेगा पर नीलामी के पहले दौर में किसी के बोली नहीं लगाने के बाद सीएसके ने उन्हें शामिल किया है। जिससे उन्हें अब उनके साथ खेलने का अवसर मिल जाएगा।'इस क्रिकेटर ने कहा , 'मैं हमेशा वर्तमान में रहने की कोशिश करता हूं। अतीत में कुछ नहीं कर सकता और मुझे नहीं पता कल क्या होगा।' घरेलू क्रिकेट में कुछ समय तक उनकी फॉर्म ठीक नहीं थी, लेकिन उन्होंने धैर्य रखा, अपनी फिटनेस और खेल पर काम किया जिससे अब वह फिर से रन बना रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपनः कार्लोस अल्काराज ने एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर फाइनल में जगह बनाई

मेलबर्न (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को यहां पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर पहली बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई। इस तरह से 22 साल के अल्काराज चारों ग्रैंड स्लैम पर प्रतियोगिताओं के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। अब उनका लक्ष्य करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनना होगा।

अल्काराज को पांव में ऐंठन और खिंचाव के कारण पिछले साल के उपविजेता ज्वेरेव की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन आखिर में वह पांच घंटे 27 मिनट में 6-4, 7-6 (5), 6-7 (3), 6-7 (4), 7-5 से जीत हासिल करने में सफल रहे। स्पेन के खिलाड़ी अल्काराज ने अच्छी शुरुआत की लेकिन पहले दो सेट जीतने के बाद वह अगले दो सेट में टाइब्रेकर में हार गए। ज्वेरेव पांचवें और निर्णायक सेट में एक समय मैच के लिए सर्विस कर रहे थे लेकिन अल्काराज ने ब्रेक प्वाइंट लेकर वापसी की और फिर इसके बाद जर्मनी के अपने प्रतिद्वंद्वी को मौका नहीं दिया।

अल्काराज का फाइनल में मुकाबला दो बार के मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर या 10 बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता नोवाक जोकोविच से होगा, जो 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने की कोशिश कर रहे हैं। अल्काराज ने जिस तरह से शुरुआत की थी उससे लग रहा था कि वह आसानी से जीत हासिल कर लेंगे लेकिन तीसरे सेट के नौवें गेम में वह लंगड़ाने लगे और ऐसा लग रहा था कि उन्हें दाहिने पैर के ऊपरी हिस्से में कोई समस्या है।

जब अपने प्रतिद्वंद्वी को इलाज के लिए तीन मिनट का ब्रेक दिया गया, तो ज़्वेरेव स्पष्ट रूप से परेशान दिखे। तब तीसरी वरीयता प्राप्त यह खिलाड़ी टूर्नामेंट के एक अधिकारी से बात कर रहा था। अल्काराज ने इसके बाद 6-5 से बढ़त बना दी जिसके बाद उन्हें फिर से अपने पांव की मालिश करवानी पड़ी। ज्वेरेव हालांकि इस सेट को टाइब्रेकर तक खींचने में सफल रहे जिसमें उन्होंने जीत दर्ज की। चौथे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला लेकिन ज्वेरेव टाइब्रेकर में फिर से कामयाब रहे और इस तरह से उन्होंने मैच को बराबरी पर ला दिया।

चार घंटे से अधिक का समय बीतने के बाद मैच पांचवें सेट में पहुंचा। अल्काराज ने पांचवें सेट के पहले गेम में अपनी सर्विस गंवा दी। इस सेट के छठे गेम में रोमांच तब चरम पर पहुंच गया जब अल्काराज ने ड्रॉप शॉट को लेने के लिए दौड़ लगाई और पूरी गति से स्लाइड करते हुए फोरहैंड विनर शॉट लगाया। इससे दर्शक खुशी से झूम उठे। अल्काराज ने आखिर में पांचवें सेट में 5-4 पर ज़्वेरेव की सर्विस तोड़ी और फिर पहले मैच प्वाइंट को भुनाकर फाइनल में प्रवेश किया।

भारत की ईशारानी बरुआ थाईलैंड मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में पहुंची

पटुमवान (थाईलैंड) (एजेंसी)। भारत की ईशारानी बरुआ ने चीनी ताइपे की शटलर सुंग को हराकर थाईलैंड मास्टर्स 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। बैडमिंटन रैंकिंग में 48वें स्थान पर काबिज 22 वर्षीय भारतीय शटलर ने गुरुवार को खेले गये मुकाबले में 34वें स्थान पर काबिज ताइपे की प्रतिद्वंद्वी सुंग को 21-13, 14-21, 21-14 से हराकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में अगले दौर में जगह बनाई। पहला गेम बेहद करीबी रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ी 11-11 के स्कोर पर बराबरी पर थे, जिसके बाद भारतीय शटलर ने 14-13 की बढ़त बना ली। इसके बाद ईशारानी ने अपनी रफ्तार बढ़ाते हुए लगातार सात अंक जीतकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सुंग ने वापसी का प्रयास किया, जो एक बार फिर 13-13 के स्कोर तक बराबरी पर रहा। इस बार, ताइपे की शटलर ने शानदार वापसी करते हुए अगले आठ में से सात अंक जीतकर गेम को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। हालांकि, तीसरा गेम पूरी तरह से भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी के नाम रहा, जो इससे पहले 2023 गुवाहाटी मास्टर्स में सुंग से हार गई थी। इससे पहले दोनों के बीच केवल एक ही मुकाबला हुआ था। महिला एकल के एक अन्य मुकाबले में देविका सिहाग ने दूसरे राउंड में चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग को 32 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 21-14 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। 51वीं रैंकिंग पर काबिज अनमोल खरब को महिला एकल मुकाबले में हुआंग यू-सुन से 10-21, 21-19, 21-19 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, महिला एकल खिलाड़ी श्रीयांशी वालीशेट्टी को करुपथेवन लेटशाना ने 17-21, 22-20, 19-21 से हराया।

आइसलैंड क्रिकेट ने उड़ाया पीसीबी का मजाक, हम विश्वकप में उसके जगह लेने तैयार

नई दिल्ली । टी20 विश्वकप क्रिकेट में भाग लेने को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अभी तक फैसला नहीं किया है हालांकि उसने अपनी टीम घोषित कर दी है। पीसीबी ने कहा था कि वह इस टूर्नामेंट से बाहर भी रह सकता है। इसी को लेकर अब आइसलैंड क्रिकेट ने पीसीबी पर व्यंग्य कसा है। आइसलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में लिखा कि अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट से हटने का फैसला करता है, तो वे उसकी जगह लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसमें ये भी कहा है कि अगर 2 फरवरी तक फैसला हो जाए तो वे तत्काल ही श्रीलंका पहुंच सकते हैं। पाक को चिढ़ाते हुए आइसलैंड क्रिकेट ने केफ्लाविक से कोलंबो तक की यात्रा योजनाओं का स्क्रीनशॉट भी साझा किया। साथ ही इस पोस्ट में आखिरी समय पर बुलाए जाने पर आने वाली व्यावहारिक परेशानियों को भी मजाकिया अंदाज में दिखाया गया। यहां तक कि उन्होंने अपने ओपनिंग बल्लेबाज की 卐अनिद्रा卐 का भी जिक्र कर दिया, जिसने प्रशंसकों को पीसीबी पर हंसने का अवसर जरुर मिल गया है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश के विश्वकप से नाम वापस लेने पर उसकी जगह पर स्कॉटलैंड को शामिल किया था। तब पीबीबी ने बांग्लादेश बोर्ड का समर्थन करते हुए कहा कि वह भी विश्वकप से बाहर रह सकता है।

मनप्रीत सिंह समेत तीन प्लेयर्स पर बड़ी कार्रवाई, प्रो लीग के संभावित खिलाड़ियों की सूची से किया बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह समेत तीन खिलाड़ियों को प्रो लीग के आगामी सत्र से पहले संभावित खिलाड़ियों की सूची से बाहर के फैसला पर भले ही कइयों को हैरानी हुई हो लेकिन सूत्रों के अनुसार यह फैसला पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ही 'अनुशासनात्मक' कारणों से ले लिया गया था। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थी कि किसी भारतीय खिलाड़ी के सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैचों का हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की के (412) रिकॉर्ड की बराबरी से रोकने के लिए मनप्रीत को बाहर किया गया है।

मनप्रीत इस रिकॉर्ड से एक मैच दूर हैं। टीम के करीबी सूत्रों ने हालांकि बताया कि मनप्रीत सिंह, दिलप्रीत सिंह और गोलकीपर कृशन बहादुर पाठक को बाहर करने का फैसला पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ही ले लिया गया था। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका में सात से दस दिसंबर 2025 के बीच दो टेस्ट और एक नुमाइशी मैच खेले थे। सूत्रों ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अनुशासनहीनता का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया था जब एक खिलाड़ी टीम बैठक से गायब था और बाद में पता चला कि उसे मनप्रीत, दिलप्रीत और पाठक ने कथित तौर पर प्रतिबंधित पदार्थ वाली च्युइंग गम खिलाई थी जिससे वह बेहोश हो गया और पूरी रात उसे संभालना पड़ा। अगली सुबह वह टीम बैठक में भी नहीं जा सका।'

उन्होंने आगे कहा, 'खिलाड़ियों ने अपने साथी खिलाड़ी को प्रतिबंधित पदार्थ खिलाने के लिए बाद में माफी मांगी लेकिन टीम बैठक में तब ही उन्हें आगामी शिविर से बाहर रखने का फैसला सुना दिया गया था।' यह भी पता चला है कि कोच क्रेग फुल्टोन की ओर से घटना की कोई लिखित रिपोर्ट हॉकी इंडिया को नहीं दी गई है। राउरकेला में अगले महीने होने वाले प्रो लीग के आगामी सत्र के लिए हॉकी इंडिया ने गुरुवार को संभावित खिलाड़ियों की सूची जारी की जिसमें कोच ने कहा कि कार्यभार प्रबंधन के लिये कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है।

राउरकेला में 10 से 15 फरवरी तक होने वाले FIH प्रो लीग मैचों से पहले एक से सात फरवरी तक यह शिविर आयोजित किया जाएगा। मनप्रीत की सह कप्तानी में रांची रॉयल्स टीम हॉकी इंडिया लीग के फाइनल में पहुंची थी और टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन भी काबिले तारीफ रहा जिससे उन्हें बाहर किए जाने को लेकर सवाल उठने लाजमी हैं। वहीं कृशन और दिलप्रीत ॥ढ्ढरु जीतने वाली कलिंगा लांसर्स टीम का हिस्सा थे। दो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीमों के सदस्य और 33 वर्षीय पूर्व भारतीय कप्तान मनप्रीत 15 वर्षों में पहली बार शिविर के लिए संभावित खिलाड़ियों की सूची में जगह नहीं बना पाए हैं।

पीटी उषा के पति वी. श्रीनिवासन का निधन

नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद पीटी उषा के पति वी. श्रीनिवासन का आज सुबह निधन हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीनिवासन आज सुबह अपने आवास पर अचानक ही बेहोश हो गये। उन्हें तत्काल करीब के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर

दिया। प्रधानमंत्री, खेलमंत्री के अलावा भारतीय ओलंपिक संध के अधिकारियों और खिलाड़ियों ने भी श्रीनिवासन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुख की इस घड़ी में उषा से फोन पर बात कर उन्हें सांत्वना दी। प्रधानमंत्री ने इस अपूरणीय क्षति पर शोक व्यक्त करते हुए परिवार को धैर्य और शक्ति देने की कामना की। गौरतलब है कि 67 साल के श्रीनिवासन केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षाबल (सीआईएसएफ) में उप अधीक्षक रहे थे। इस दंपति का एक बेटा है, जिसका नाम उज्ज्वल है। वहीं केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी श्रीनिवासन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने उषा और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। साथ ही ईश्वर से इस कठिन समय को सहने की शक्ति परिवार देने की प्रार्थना की है। उषा दिग्गज एथलीट रही है। एशियाई खेलों सहित कई अन्य स्पर्धाओं में उन्होंने स्वर्ण पदक जीते हैं।

शब्द नहीं, भावनाएं बोलेंगी: अदिति राव हैदरी की गांधी टॉक्स

अदिति राव हैदरी अपनी अगली फिल्म गांधी टॉक्स के साथ अब तक का सबसे अलग कदम उठा रही हैं। यह एक साइलेंट फिल्म है, जिसमें कोई डायलॉग नहीं है और कहानी पूरी तरह भावनाओं और अभिनय के जरिए आगे बढ़ती है। अदिति उन अभिनेत्रियों में से नहीं हैं, जो चलन के पीछे भागती हैं। उन्होंने हमेशा ऐसी फिल्में चुनी हैं जहां अभिनय और कहानी को ज्यादा अहमियत दी गई हो। गांधी टॉक्स भी उसी सोच का हिस्सा है। इस फिल्म में अदिति को बिना संवाद के अपने चेहरे, आंखों और भावों के जरिए किरदार निभाते देखा जाएगा। साइलेंट फिल्म में कलाकार के पास छुपने की कोई जगह नहीं होती और अदिति इस चुनौती को पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनाती नजर आती हैं। फिल्म में उनके साथ विजय सेतुपति हैं। ट्रेलर में दोनों की केमिस्ट्री साफ नजर आती है। ए. आर. रहमान का संगीत फिल्म की भावनाओं को और गहराई देता है, जबकि निर्देशन किशोर पांडुरंग बेलेकर ने किया है। गांधी टॉक्स भले ही एक अलग तरह की फिल्म हो, लेकिन अदिति राव हैदरी के कॅरियर को देखते हुए यह फैसला बिल्कुल स्वाभाविक लगता है। यह फिल्म 30 जनवरी को दुनियाभर में रिलीज होगी।

श्रुति हासन: विरासत से नहीं, टैलेंट से बनीं सफल अभिनेत्री और गायिका

भारतीय सिनेमा में कुछ नाम ऐसे हैं, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं हैं। ये नाम अपनी बहुआयामी प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाते हैं। एक सफल अभिनेत्री, गायिका, संगीतकार और परफॉर्मर, जिनकी पहचान केवल एक स्टार किड के तौर पर नहीं, बल्कि एक मेहनती और टैलेंटेड आर्टिस्ट के रूप में बनी है। वह न सिर्फ एक सफल अभिनेत्री हैं, बल्कि एक स्थापित गायिका और म्यूजिक कंपोजर भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। श्रुति ने चेन्नई के एबाकस मोंटेसरी स्कूल में पढ़ाई की और दसवीं तक वहीं शिक्षा ग्रहण की।

इसके बाद मुंबई के सेंट एंड्रयूज कॉलेज से साइकोलॉजी की पढ़ाई की। बचपन से ही उन्हें संगीत और सिनेमा में गहरी रुचि थी। इसी लगाव ने उन्हें आगे चलकर अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित म्यूजिशियंस इंस्टीट्यूट तक पहुंचाया, जहां उन्होंने संगीत की औपचारिक ट्रेनिंग ली।

महज छह साल की उम्र में श्रुति हासन ने अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया, जिसे इलैया राजा ने कंपोज किया था।

इसके बाद स्कूल के दिनों में उन्होंने हिंदी फिल्म 'चाची 420' (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म 'हे राम' में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम 'रामा रामा' भी गाई।

एक अभिनेत्री के तौर पर श्रुति ने वयस्क भूमिका में डेब्यू 2009 में बॉलीवुड फिल्म 'लक' से किया। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा की ओर रुख किया और यहीं से उनका कॅरियर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा।

श्रुति को असली पहचान तेलुगु फिल्म 'अनागनगा ओ धीरुडु' (2011) से मिली। इन फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू साउथ दिलाया। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया।

'रेस गुर्रम' (2014) में दमदार भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस तेलुगु मिला। कुल मिलाकर श्रुति के नाम तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड्स सहित कई सम्मान दर्ज हैं।

हिंदी सिनेमा में श्रुति हासन ने 'डी-डे', 'रामैया वस्तावैया', 'गब्बर इज बैक', 'वेलकम बैक', 'रॉकी हैंडसम' जैसी फिल्मों में काम किया। जहां कुछ फिल्मों को समीक्षकों की सराहना मिली, वहीं कुछ बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। अभिनय के साथ-साथ संगीत श्रुति हासन की पहचान का अहम हिस्सा है। वह एक स्थापित पार्श्व गायिका हैं। साल 2009 में उन्होंने अपने पिता के प्रोडक्शन 'उन्नैपोल ओरुवन' से बतौर म्यूजिक डायरेक्टर भी डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने अपना खुद का म्यूजिक भी तैयार किया और बैंड के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई। श्रुति हासन का सफर इस बात का प्रमाण है कि पहचान नाम से नहीं, काम से बनती है और सुर, स्क्रीन और संवेदनाओं का यह संगम अभी और भी लंबा चलना है।

'मलयालम से अलग है हिंदी दृश्यम 3 की कहानी' श्रिया सरन ने फ्रेंचाइजी के आखिरी पार्ट को लेकर जताई खुशी

क्राइम-थ्रिलर 'दृश्यम' अपने तीसरे पार्ट के साथ फिर लौट रही है। 'दृश्यम 3' मलयालम के साथ हिंदी में भी शुरू हो चुकी है। एक बार फिर विजय सालगांवकर (अजय देवगन) अपनी फैमिली के साथ वापस लौट रहे हैं। अब फिल्म को लेकर अभिनेत्री श्रिया सरन काफी उत्साहित हैं। उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के अपने सफर को इमोशनल बताते 'दृश्यम 3' के बारे में बात की है।

दस साल पहले शुरू हुई थी पहले पार्ट की शूटिंग

श्रिया सरन ने 'दृश्यम 3' को लेकर खुशी जताई। 'दृश्यम' की दुनिया में अपनी भूमिका को फिर से निभाने के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'मैं बेहद उत्साहित हूं। इस बार, कहानी असाधारण रूप से अच्छी तरह से लिखी गई है, बहुत कसी हुई और दिलचस्प है। यह फ्रेंचाइजी का आखिरी पार्ट है। हम अभी इसकी शूटिंग कर रहे हैं। यह मेरे लिए एक बेहद भावुक सफर है क्योंकि जब मैंने हाल ही में फिल्म देखी, तो मुझे एहसास हुआ कि पहला भाग दस साल से भी पहले शूट किया गया था। हम सब बहुत बदल गए हैं। मैं तब से बहुत बदल गई हूं।'

इस वजह से बाकी फिल्मों से अलग है 'दृश्यम'

श्रिया ने बताया कि दृश्यम को जो बात सबसे अलग बनाती है, वह सस्पेंस जॉनर में कहानी को अलग तरह से कहने की कला है। मुझे याद नहीं कि किसी मिस्ट्री फ्रेंचाइजी के तीन पार्ट हों। हमने ड्रामा सीरीज तो देखी हैं, लेकिन एक मिस्ट्री फ्रेंचाइजी, जिसमें पूरी कहानी एक छोटी सी घटना के इर्द-गिर्द घूमती हो, यह कमाल है। यकीन मानिए तीसरा पार्ट बेहद दिलचस्प है। इस दौरान उन्होंने 'दृश्यम 3' के एक बड़े ट्विस्ट की ओर भी इशारा किया।

मलयालम से अलग है हिंदी वर्जन

श्रिया सरन का मानना है कि मलयालम और हिंदी की 'दृश्यम' में अंतर है। यही कारण है कि फिल्म हर भाषा में अलग अनुभव देती है और पसंद की जाती है। उन्होंने कहा कि हिंदी 'दृश्यम 2' मलयालम वर्जन से बहुत अलग थी। यहां तक कि हिंदी 'दृश्यम 3' भी मलयालम वाली फिल्म से काफी अलग है।

2015 में रिलीज हुई थी पहली 'दृश्यम'

'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की शुरुआत साल 2015 में हुई थी। पहली फिल्म में अजय देवगन के साथ तब्बू, श्रिया सरन, रजत कपूर और इशिता दत्त प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इसके बाद साल 2022 में 'दृश्यम 2' रिलीज हुई। इसमें अक्षय खन्ना भी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। अब लगभग चार साल बाद फ्रेंचाइजी का तीसरा पार्ट रिलीज होने जा रहा है।

अरिजीत ने तो सिर्फ प्लेबैक सिंगिंग छोड़ी, कई सेलेब्स ने बॉलीवुड ही छोड़ दिया

सिंगर अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग ना करने के फैसले से फैंस चौंक गए। वह अब बॉलीवुड की दुनिया से दूर चले गए हैं, लेकिन अरिजीत से पहले भी कलाकार ऐसे रहे हैं, जिन्होंने बॉलीवुड की चकाचौंध को अलविदा कहा, एकांत और शांति का रास्ता चुना।

अरिजीत सिंह

संगीत से लगाव रखने वाले श्रोताओं के बीच सिंगर अरिजीत सिंह जाना-माना नाम हैं। उनकी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। फैंस को लगता था कि अरिजीत सिंह एक लंबी पारी प्लेबैक म्यूजिक में खेलेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने हाल ही घोषणा की कि वह प्लेबैक सिंगिंग को अलविदा कह रहे हैं। इस बात से उनके फैंस काफी निराश हैं। यह फैसला उन्होंने क्यों लिया है, इसकी अभी जानकारी नहीं है, लेकिन अरिजीत काफी समय से कोलकाता में रह रहे थे और एक आम जिंदगी जी रहे थे। काम के सिलसिले में ही वह कोलकाता से बाहर जाते हैं। उनका लाइफस्टाइल भी बहुत सादगी से भरा है। वह बॉलीवुड की चकाचौंध से पहले ही दूर हो चुके थे।

ममता कुलकर्णी

90 के दशक की चर्चित अदाकारा ममता कुलकर्णी ने कई हिट फिल्में की थीं। 'वक्त हमारा है', 'करण अर्जुन', 'बाजी' जैसी कई हिट फिल्में देने के बाद ममता अचानक बॉलीवुड से गायब हो गईं। फिर कुछ साल बाद वह साध्वी के रूप में सामने आईं। पिछले साल महाकुंभ में उन्होंने पूरी तरह से साध्वी के जीवन को आत्मसात कर लिया। इन दिनों उन्हें कई धार्मिक कार्यक्रमों में देखा जाता है।

जायरा वसीम

आमिर खान की फिल्म 'सीक्रेट सुपरस्टार्स' और 'दंगल' के अलावा प्रियंका चोपड़ा की 'द स्काई इज पिंक' में अपनी अदाकारी से जायरा वसीम ने सबको हैरान किया था, लेकिन चार साल के कॅरियर के बाद उन्होंने बॉलीवुड छोड़ दिया। वह धर्म की राह पर चलीं। पिछले साल अक्टूबर में जायरा ने निकाह भी किया। अपने निकाह की जानकारी जायरा वसीम ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी।

सना खान

'बिग बॉस 6' की कंटेस्टेंट रहीं सना खान ने भी साल 2020 में एक्टिंग की दुनिया को छोड़ दिया। सलमान खान स्टारर 'जय हो' और अक्षय कुमार की 'टॉयलेट: एक प्रेम कथा' वह हिस्सा थीं। बॉलीवुड छोड़ने के बाद सना खान ने मुफ्ती अनस से साल 2020 में ही शादी की। शादी के बाद वो सोशल वर्क करती हैं। साथ ही धार्मिक कामों में भी सक्रिय रहती हैं। अपना एक पॉडकास्ट चैनल भी चलाती हैं, जिसमें धर्म और जीवन से जुड़ी बातचीत करती हैं।

कुमार गौरव

कुमार गौरव भी 80 के दशक में बॉलीवुड में छा गए थे। 'लव स्टोरी', 'कांटे' जैसी कई फिल्मों में उन्होंने अभिनय किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जब बॉलीवुड में कुमार गौरव का कॅरियर ग्राफ गिरने लगा तो उन्होंने बिजनेस में हाथ आजमाया। आज वह एक सफल बिजनेसमैन हैं।

दूसरी बार प्रेग्नेंट हुईं रुबीना दिलैक !

सोशल मीडिया पर अभिनेत्री रुबीना दिलैक का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो ने लोगों को असमंजस में डाल दिया है। वीडियो में उन्होंने प्रेग्नेंसी के बारे में जानकारी दी है। दो साल पहले रुबीना दो बेटियों की मां बनी हैं। ऐसे में रुबीना दिलैक के इस वीडियो ने लोगों को हैरानी में डाल दिया है। कई लोग इसे अभिनेत्री की प्रेग्नेंसी से जोड़ रहे हैं, तो कई लोग इसे प्रमोशनल वीडियो बता रहे हैं।

रुबीना के वीडियो में क्या है?

रुबीना दिलैक ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने साड़ी पहनी है। वीडियो में देखा जा सकता है कि वह कैमरे की तरफ मुड़ती हैं और कहती हैं कि 'मैं प्रेग्नेंट हूं।' इसके बाद अचानक वीडियो खत्म हो जाता है। इस बारे में रुबीना दिलैक ने कोई जानकारी नहीं दी है। उन्होंने अपने पति अभिनव को भी नहीं टैग किया है।

आखिर क्या है सचाई?

रुबीना दिलैक के इस वीडियो ने यूजर्स को कंफ्यूजन में डाल दिया है। कई लोगों को मानना है कि रुबीना दिलैक वाकई प्रेग्नेंट हैं। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि यह प्रमोशनल वीडियो है। क्योंकि कई बार सेलेब्स शादी और प्रेग्नेंसी जैसे शब्दों का इस्तेमाल शो या ब्रांड प्रमोशन के लिए इस्तेमाल करते हैं। अब अभिनेत्री के फैंस को इंतजार है कि इस मामले पर रुबीना दिलैक ही पूरी जानकारी दें।

रुबीना और अभिनव की शादी

ख्याल रहे कि रुबीना दिलैक ने जून 2018 में अभिनव से शादी की थी। सितंबर 2023 में रुबीना दिलैक ने अपनी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था। दिसंबर 2023 में वह जुड़वा बेटियों की मां बनी थीं। उनकी बेटियों के नाम जीवा और एधा हैं।

सच्चा न्याय वही है जिसमें किसी के साथ अन्याय न हो: अखिलेश

–यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर विपक्ष एक राय नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा लागू किए गए नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है। गुरुवार को सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूजीसी प्रमोशन ऑफ इक्विटी रेग्युलेशंस 2026 के प्रावधान प्रथम दृष्टया अस्पष्ट हैं और इनके दुरुपयोग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने केंद्र सरकार और यूजीसी से 19 मार्च तक जवाब मांगा है। कोर्ट के इस फैसले के बाद राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सत्ताधारी बीजेपी ने फैसले का स्वागत करते हुए इसे संविधान, सामाजिक समरसता और सनातन मूल्यों की रक्षा से जुड़ा अहम कदम बताया। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया और ईडब्ल्यूएस आरक्षण इसका उदाहरण है। वहीं निशिकांत दुबे ने भी विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में इस मुद्दे पर चर्चा तक नहीं की गई और सुप्रीम कोर्ट ने वही किया जो संविधान के अनुरूप है।

यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा है कि सरकार कोर्ट के आदेश का पूरी तरह पालन करेगी। बीजेपी सांसद मनन कुमार मिश्र और नेता बृजभूषण शरण सिंह ने फैसले को न्यायसंगत बताते हुए कहा कि नए नियमों से सामाजिक टकराव की आशंका थी, जिसे कोर्ट ने समय रहते रोक लगा दी है।

वहीं, विपक्षी दलों की राय इस मुद्दे पर बंटी हुई है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, बसपा सुप्रीमो मायावती और टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। अखिलेश ने कहा कि सच्चा न्याय वही है जिसमें किसी के साथ अन्याय न हो और कानून की भाषा व नीयत दोनों साफ हों। मायावती ने कहा कि नए नियमों से सामाजिक तनाव पैदा हो रहा था, इसलिए कोर्ट का फैसला सही है।

इसके उलट कांग्रेस और आरजेडी ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने आरोप लगाया कि बीजेपी असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए जाति और धर्म के नाम पर विवाद खड़ा कर रही है। आरजेडी सांसद मनोज झा ने इसे 'यथास्थिति बनाए रखने' की कोशिश बताया। इस बीच कुमार विश्वास ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि देश इस समय किसी भी तरह के बंटवारे को सहन नहीं कर सकता और सरकार को समाधान की दिशा में संवेदनशीलता दिखानी चाहिए।

माघ मेला छोड़कर गए शंकराचार्य से माफी मांगेगा प्रयागराज प्रशासन

-अविमुक्तेश्वरानंद ने रखी दो शर्त, दो बड़े अधिकारी संगम में करवाएंगे स्नान

वाराणसी (एजेंसी)। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से प्रयागराज प्रशासन माफी मांगने को तैयार है। शंकराचार्य के मीडिया प्रभारी ने बताया किया योगी सरकार ने खुद इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शंकराचार्य अचानक माघ मेला छोड़कर वाराणसी चले जाएंगे, प्रयागराज के अफसरों को यह उम्मीद नहीं थी। वे सोच रहे थे माघ पूर्णिमा एक फरवरी के स्नान के बाद शंकराचार्य जाएंगे तब तक उनको मना लेंगे। 28 जनवरी को शंकराचार्य के वाराणसी आने के बाद लखनऊ के दो बड़े अधिकारियों ने सरस्वती से संपर्क किया और पूर्णिमा पर माघ मेले में स-सम्मान स्नान कराने की बात कही है। इस पर शंकराचार्य ने दो शर्त रखी हैं। पहली- जिम्मेदार माफी मांगे, लिखित माफीनामा दें वहीं दूसरी- चारों शंकराचार्य का प्रोटोकॉल स्नान के लिए लागू किया जाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक योगी सरकार ने बताया कि शासन के कुछ अधिकारी वाराणसी आएंगे। शंकराचार्य को प्रयागराज लेकर जाएंगे। उन्हें माघी पूर्णिमा पर संगम स्नान कराएंगे। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में कंप्यूटर बाबा मौनी अमावस्या से उनके साथ हैं। मौनी अमावस्या पर ही प्रशासन और शंकराचार्य के शिष्यों के बीच विवाद और मारपीट हुई थी। शंकराचार्य के साथ वाराणसी में बैठक कर आगे की रणनीति तय कर ली गई है।

दिल्ली में राशन कार्डधारियों को नोटिस जारी.... मांगी जा रही ये सारी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने उन राशन कार्डधारियों को नोटिस जारी किया है जिनके पास जमीन के साथ घर और अपनी गाड़ी भी है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा जारी जांच अभियान के बाद इसतरह के लोगों को मैसेज के जरिए नोटिस जारी किया जा रहा है। उनसे जवाब देने को कहा गया है। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं, तब उनका राशन कार्ड रद्द किया जाएगा। हालांकि दिल्ली सरकारी राशन डीलर्स संघ ने सरकार के इस तरह जारी नोटिस पर सवाल उठाकर सीएम रेखा गुप्ता को चिट्ठी भी लिखी है। रेखा सरकार की तरफ से जारी नोटिस में उनकी गाड़ी, घर की जानकारी के साथ ही उनके आय के बारे में भी जानकारी मांगी गई है। साथ ही राशन कार्ड के लिए न्यूनतम सालाना एक लाख की आय को लेकर राजस्व विभाग की ओर से जारी आय प्रमाण पत्र भी जमा करने को कहा गया है। यह आय प्रमाण पत्र अनिवार्य किया गया है। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं, तब उनका अगले महीने से राशन कार्ड रद्द हो जाएगा। दिल्ली में बीते दिनों राशन कार्ड धारकों को लेकर चले जांच अभियान के दौरान आठ लाख से अधिक लोग अपात्र मिले हैं। राशन डीलर संघ के मुताबिक दिल्ली सरकार का यह जांच अभियान ठीक है लेकिन इसतरह से नोटिस उन्हें दिया जा रहा है जिनका दिल्ली में कोई जमीन नहीं है। उनके मुताबिक दिल्ली में बहुत से लोग बाहर से आकर रहते हैं। उनकी गांव में थोड़ी बहुत जमीन है। इस बात को आधार बनाकर उन्हें नोटिस जारी किया जा रहा है।

क्रिप्टो निवेश के नाम पर 1.80 करोड़ की ठगी, 26 लोगों को बनाया शिकार

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान के जोधपुर जिले में क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर बड़े स्तर की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने मोटे मुनाफे का लालच देकर 26 लोगों से करीब 1.80 करोड़ रुपए हड़प लिए और बाद में ऑफिस बंद कर फरार हो गए। इस संबंध में जोधपुर के थाने में न्यायालय परिवाद के जरिए मामला दर्ज कराया गया है। पीड़ित सिद्धपा भीमराय पडशेटी, निवासी सालोटगी, जिला बीजापुर (कर्नाटक) ने रिपोर्ट में बताया कि वर्ष 2022 में उन्होंने यूट्यूब पर 'कैपमोर अपेक्स' नामक कंपनी का वीडियो विज्ञापन देखा था। इसमें अजय आर्य नामक व्यक्ति क्रिप्टो ट्रेडिंग में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का दावा कर रहा था और ट्रेडिंग ट्रेनिंग देने की बात वीडियो में की जा रही थी। विज्ञापन में दिए गए नंबर पर संपर्क करने पर आरोपी अजय ने खुद को श्रीगंगानगर निवासी बताकर देश के कई शहरों में कंपनी के ऑफिस होने का दावा किया। आरोपी ने भरोसा दिलाया कि निवेश करने वालों को तय समय में अच्छा रिटर्न मिलेगा। उसके झांसे में आकर पीड़ित और उसके परिचितों ने करीब साल भर के दौरान नकद और ऑनलाइन माध्यम से बड़ी रकम निवेश कर दी। बाद में अजय और उसके साथियों ने कर्नाटक के विजयपुरा में खोला गया ऑफिस बंद कर श्रीगंगानगर आ गए। पीड़ित का आरोप है कि बार-बार संपर्क करने पर आरोपी केवल बहाने बनाते रहे और रुपए लौटाने का झूठा आश्वासन देते रहे। कुछ समय बाद अजय सेवा से भी गायब हो गया और उसका मोबाइल भी बंद आने लगा। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने इसी तरह कई अन्य लोगों से भी करोड़ों की ठगी की और ठगी की रकम से अपने व परिवार के नाम संपत्तियां खरीदीं। रिपोर्ट के आधार पर अजय आर्य, दीपक आर्य, लक्ष्मण आर्य, सौरभ चावला, सलोनी चावला, करमजीत सिंह, बलजीत सिंह और राजेंद्र सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जो कंपनी देगी बिहारवासियों को नौकरी... उन पर मेहरबान रहेगी नीतीश सरकार

पटना (एजेंसी)। बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार का फोकस अब युवाओं की जॉब और रोजगार पर हो गया है। चुनाव के वक्त अगले पांच साल में राज्य के 1 करोड़ बेरोजगार युवाओं को जॉब और रोजगार देने का जो वादा सुशासन बाबू ने किया था, राज्य सरकार ने अब इसके अमलीजामा पहनाना शुरू कर दिया है। जल्द ही राज्य के युवाओं के लिए आईटी और सेवा क्षेत्र में रोजगार के बड़े मौके आने वाले हैं।

नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में बिहार वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) नीति-2026 को मंजूरी दे दी गई। इस नीति के तहत बिहार में कॉल सेंटर या ग्लोबल सेंटर स्थापित करने वाली अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय कंपनियों को नीतीश सरकार वित्तीय मदद प्रदान करेगी। ताकि यहां के युवाओं को रोजगार के मौके मिल सके और उन्हें काम की तलाश में दूसरे राज्य न जाना पड़े। उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार ने बताया कि राज्य में निवेश और रोजगार बढ़ाने के उद्देश्य से यह ऐतिहासिक फैसला हुआ है।

नई नीति के तहत, यदि कोई वैश्विक स्तर की कंपनी बिहार में अपना कॉल सेंटर या क्षमता केंद्र स्थापित करती है, तब उसके कुल पूंजीगत व्यय का 30 प्रतिशत हिस्सा अनुदान के रूप में सरकार देगी। यह अनुदान राशि अधिकतम 50 करोड़ रुपये तक हो सकती है। यदि कंपनी बिहार के मूल निवासियों को अधिक संख्या में रोजगार देती है, तब इस अनुदान की सीमा को और बढ़ाया जा सकेगा। अनुदान का लाभ केवल इंफ्रास्ट्रक्चर तक सीमित नहीं रहेगा। कंपनियों को कार्यालय का किराया, रिसर्च एंड डेवलपमेंट और अन्य परिचालन खर्चों पर भी सहायता मिलेगी।

खतरे में देहरादून की हरियाली, काटने पड़ सकते हैं 20 हजार पेड़

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के देहरादून जिले के साल के वनों पर होपलो कीट (साल बोरर कीट) के बढ़ते हमले से हरियाली खतरे में आ गई है। यह कीट साल के पेड़ों को भीतर से खोखला करता है, जिससे उनका जीवन गंभीर रूप से प्रभावित होता है। होपलो सबसे पहले पेड़ की छाल में छोटे छेद बनाकर अंडे देता है। अंडों से निकलने वाली लार्वा तने के अंदर सुरंग बनाकर हृदयकाष्ठ को खोखला करती है। इससे पेड़ का पानी और पोषक तत्वों का प्रवाह रुक जाता है, और समय के साथ पेड़ ऊपर से सूखकर कमजोर होकर गिरने लगता है। प्रभावित पेड़ों से तने में छेद, रस का रिसाव और बुरादा गिरना दिखाई देता है, जो संक्रमण के प्रमुख संकेत हैं।

उत्तराखंड वन विभाग के अनुसार देहरादून वन प्रभाग में करीब 12 हजार, कालसी में 5000 और मसूरी में 3000 से अधिक साल के पेड़ होपलो से प्रभावित हैं। तीनों प्रभागों में साल के वनों की हिस्सेदारी करीब 70 प्रतिशत है। गंभीर रूप से संक्रमित पेड़ों को कटान (कंटेनमेंट फेलिंग) के माध्यम से जंगल से बाहर निकालकर नष्ट किया जाता है, ताकि कीट का फैलाव रोका जा सके। कम प्रभावित पेड़ों में कीट आकर्षक ट्रैप, तने पर कीटनाशक पेस्टिंग और जंगल की सफाई जैसे उपाय किए जाते हैं। इतना ही नहीं वन विभाग ने समस्या के समाधान के लिए वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) की टीम से मदद मांगी है। एफआरआई ने देहरादून वन प्रभाग का निरीक्षण कर लिया है, जबकि कालसी और मसूरी में टीम का दौरा प्रस्तावित है। वरिष्ठ विज्ञानी डॉ. अरुण प्रताप के अनुसार, होपलो का ठोस उपचार नहीं है, लेकिन संक्रमित पेड़ों की पहचान और उचित कार्रवाई संक्रमण को फैलने से रोकने में मदद करती है। सालाना कटान के अनुसार हर वर्ष लगभग 2000 पेड़ इस कीट के कारण काटने पड़ते हैं। इस वर्ष होपलो कीटों का प्रकोप सामान्य से अधिक होने की आशंका है, जिससे देहरादून के साल के वनों को गंभीर नुकसान का खतरा है। वन विभाग लगातार निरीक्षण, कीट नियंत्रण और जंगल की सफाई के माध्यम से इस समस्या से निपटने की कोशिश कर रहा है।

इन खास ट्रैपों में कीट आकर्षित होकर फंसते हैं। इसके लिए साल के कुछ पेड़ों को काटकर कीटों के लिए चारा तैयार किया जाता है। कई जगह इससे 50 से 70 प्रतिशत तक कीट पकड़ने में सफलता मिलती है। यह कम प्रभावित पेड़ों के मामले में किया जाता है। इसके अलावा तने पर कीटनाशक का छिड़काव/पेस्टिंग (वैज्ञानिक निर्देश अनुसार) किया जाता है। इसमें लार्वा और वयस्क कीट मर जाते हैं। इसके अलावा जंगल की सफाई और सूखी लकड़ी हटाने की कार्रवाई भी की जाती है। क्योंकि सूखे पत्ते, टूटे तने, मरी लकड़ी आदि कीट के प्रजनन स्थान बनते हैं। इनकी सफाई संक्रमण को रोकने में बहुत मदद करती है।

हर साल 2000 पेड़ों को पड़ता है काटना

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस वर्ष होपलो कीटों का प्रकोप कुछ अधिक है। क्योंकि, सामान्य रूप में साल के पेड़ों में यह कीट पाए ही जाते हैं। जिस कारण एक वन प्रभाग में औसतन दो हजार के करीब पेड़ों को इस कीट रोग के कारण काटना पड़ जाता है। इस वर्ष कुछ अधिक पेड़ इस कीट की भेंट चढ़ सकते हैं।

लखनऊ एयरपोर्ट से सऊदी के लिए उड़ा विमान...फिर लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ एयरपोर्ट से सऊदी अरब जा रहे एक विमान की शुक्रवार को इमरजेंसी लैंडिंग हुई। उड़ान के कुछ समय बाद विमान में तकनीकी दिक्कत आ गई थी। सूत्रों के मुताबिक, जब विमान मुंबई के पास पहुंचा, तब केबिन प्रेशर में समस्या आ गई। इसके चलते कुछ यात्रियों को सांस लेने में परेशानी हुई। गंभीर हालात देखकर पायलट ने पहले मुंबई एयरपोर्ट से संपर्क कर लैंडिंग की अनुमति मांगी, लेकिन वहां से परमिशन नहीं मिली। इसके बाद पायलट ने लखनऊ एयरपोर्ट से संपर्क किया। लखनऊ से इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मिलते ही विमान वापस लौट आया। करीब 82 मिनट में विमान सुरक्षित रूप से लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा। खराबी दूर होने पर विमान जेद्दा के लिए रवाना हो गया। यह विमान सऊदिया अरबिया एयरलाइंस का था। फ्लाइट नंबर एसवी-891 जेद्दा जा रही थी। विमान में 275 यात्री, 4 पायलट और 6 क्रू मेंबर सवार हैं। जानकारी के मुताबिक, विमान का तय समय दोपहर 12:05 बजे था, लेकिन यह 12:23 बजे उड़ान भर सका। दोपहर करीब 1:45 बजे विमान को बीच रास्ते से वापस लाना पड़ा। यात्रियों को विमान से उतारा नहीं गया। इंजीनियरों ने तकनीकी खराबी दूर कर दी। विमान शाम 4:20 बजे जेद्दा के लिए रवाना हुआ।

क्या है केबिन प्रेशर– विमान में केबिन प्रेशर आर्टिफिशियल एयर प्रेशर है, जिसे हवाई जहाज के अंदर बनाए रखा जाता है। इससे जब विमान 30,000 से 40,000 फीट की ऊंचाई पर होता है, तब भी लोगों को सांस लेने में दिक्कत नहीं होती। केबिन प्रेशर उस ऊंचाई में भी 6,000–8,000 फीट की ऊंचाई के बराबर वाला एयर प्रेशर बनाकर रखता है। इससे यात्री आसानी से सांस लेते रहते हैं।

बंगाल में सुवेंदु अधिकारी ने लगाए गंभीर आरोप कहा- वोटर्स की वेरिफिकेशन प्रक्रिया में हो रही हेराफेरी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के बीच राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने राज्य प्रशासन और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि अधिकारियों को वेरिफिकेशन प्रक्रिया में हेराफेरी करने के गैर-कानूनी आदेश दिए जा रहे हैं। उन्होंने इसे लोकतंत्र को कमजोर करने वाला एक बेशर्म गठजोड़ करार दिया है। अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक कथित व्हाट्सएप मैसेज का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए सनसनीखेज खुलासा किया। उन्होंने दावा किया कि दक्षिण 24 परगना के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) की ओर से अधिकारियों को विशेष निर्देश भेजे गए हैं। इस कथित संदेश में अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वे वेरिफिकेशन के दौरान किसी भी स्थिति में नॉट वेरिफाइड (सत्यापित नहीं) विकल्प का चयन न करें।

अधिकारी ने बताया कि प्रशासन ने हर दिन 3,000 वेरिफिकेशन का लक्ष्य पूरा करने का दबाव बनाया है, जो प्रक्रिया की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि यह आदेश सीधा और स्पष्ट रूप से चुनाव प्रक्रिया में हेराफेरी करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जानबूझकर नॉट वेरिफाइड मार्क करने से रोका जा रहा है, ताकि उन अयोग्य मतदाताओं और फर्जी प्रविष्टियों को मतदाता सूची से बाहर न किया जा सके, जिन्हें टीएमसी ने अपने वोटबैंक के रूप में सूची में शामिल करवाया है। उनके अनुसार, ममता बनर्जी सरकार भारत के चुनाव आयोग के पारदर्शी मतदाता सूची के आदेशों को धता बताने के लिए जिला प्रशासन का एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है।

सुवेंदु अधिकारी ने तंज कसते हुए कहा कि टीएमसी इस बात से डरी हुई है कि यदि निष्पक्ष जांच हुई, तो उनका लंबे समय से चला आ रहा चुनावी धोखाधड़ी का खेल उजागर हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि प्रशासनिक अधिकारों का यह दुरुपयोग केवल सत्ताधारी दल के राजनीतिक हितों को साधने के लिए किया जा रहा है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए नेता प्रतिपक्ष ने भारत के चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने आयोग से अनुरोध किया है कि वह एडीएम और उन सभी अधिकारियों के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच शुरू करे जो इन गैर-कानूनी निर्देशों को जारी करने या पालन करने में संलिप्त हैं। सुवेंदु अधिकारी ने मांग की है कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए दोषी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि चुनाव प्रक्रिया की शुचिता बनी रहे।

एसआईआर में फॉर्म-7 का दुरुपयोग कर वोटर लिस्ट से काटे जा रहे नाम?

–कांग्रेस ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र, तत्काल हस्तक्षेप और स्वतंत्र जांच की मांग

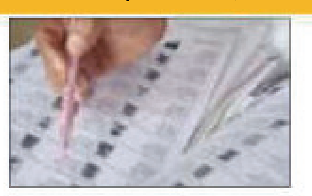

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के दौरान फॉर्म-7 के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का आरोप लगाया है। पार्टी ने चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। कांग्रेस का दावा है कि सत्तारूढ़ बीजेपी से जुड़े लोग और अज्ञात व्यक्ति टारगेट वर्गों के मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से गलत तरीके से हटाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखे पत्र में कहा है कि फॉर्म-7 का इस्तेमाल कर लाखों पात्र मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किया जा रहा है जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट में कांग्रेस के मुताबिक राजस्थान से शुरू हुई शिकायतें अब गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम और केरल समेत 12 राज्यों से सामने आई हैं। पार्टी का कहना है कि इससे साफ होता है कि यह मामला न तो स्थानीय है और न ही अलग-थलग है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि जांच में एक समान पैटर्न सामने आया है। इसके तहत केंद्रीकृत प्रणाली के जरिए पहले से छपे हुए फार्म-7 तैयार किए गए, जिनका इस्तेमाल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यकों और 60 साल से ज्यादा उम्र के वरिष्ठ नागरिकों जैसे विशेष समूहों के खिलाफ सामूहिक आपत्तियां दर्ज कराने में किया गया है।

कांग्रेस ने कहा कि इन फार्म को बाद में बूथ लेवल अधिकारियों को सौंपा गया। कई मामलों में फॉर्म में आपत्ति दर्ज कराने वाले व्यक्ति की पहचान, सही मोबाइल नंबर और वैध ईपीआईसी विवरण तक दर्ज नहीं पाए गए जबकि नियमों के तहत यह अनिवार्य है। पार्टी का दावा है कि जिन लोगों के नाम आपत्तिकर्ता के रूप में दर्ज थे, उनमें से कई ने सार्वजनिक रूप से किसी भी फॉर्म को जमा करने से इनकार किया। कुछ मामलों में ये लोग बीजेपी से जुड़े बूथ लेवल एजेंट पाए गए, जबकि कई पूरी तरह अज्ञात व्यक्ति निकले। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से मांग की है कि फॉर्म के दुरुपयोग की तत्काल और स्वतंत्र जांच कराई जाए, दोषियों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई हो और जिन मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं, उन्हें तुरंत जोड़ा जाए।

भारत में निपाह वायरस के फैलने का जोखिम कम... डब्ल्यूएचओ ने माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि भारत में निपाह वायरस के फैलने का जोखिम कम है और देश में वायरस संक्रमण के दो मामले सामने आने के बाद यात्रा या व्यापार प्रतिबंध लगाने की कोई जरुरत नहीं है। यह घटना कई एशियाई देशों द्वारा अपने क्षेत्रों में आने वाले लोगों में वायरस के लक्षणों की जांच तेज करने के बाद हुई है। चूंकि भारत पहले भी निपाह के प्रकोप को नियंत्रित करने की अपनी क्षमता दिखा चुका है, इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मान लिया है कि मानव-से-मानव संक्रमण में वृद्धि का कोई प्रमाण नहीं है।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि अन्य भारतीय राज्यों या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके फैलने की संभावना कम है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की कि पिछले साल दिसंबर से अब तक पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस रोग के केवल दो मामले सामने आए हैं। इसके बाद, केंद्र ने बंगाल सरकार के समन्वय से प्रोटोकॉल के अनुसार त्वरित और व्यापक जन स्वास्थ्य उपाय शुरू किए। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि जोखिम मूल्यांकन, निगरानी और प्रकोप से निपटने के प्रयासों में सहयोग देने के लिए भारत में राष्ट्रीय और राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर काम करना जारी रखे हुए है।

ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर गोवा में सोशल मीडिया का उपयोग नहीं कर पाएंगे नाबालिग

पणजी (एजेंसी)। आधुनिक समय में मोबाइल फोन और सोशल मीडिया बच्चों के जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गए हैं। छोटे बच्चे भी अपना काफी समय इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर बिता रहे हैं। इस स्थिति के कारण बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे नकारात्मक प्रभावों को देखते हुए गोवा सरकार अब एक कड़ा कदम उठाने की योजना बना रही है। राज्य सरकार आस्ट्रेलिया की तर्ज पर 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इस बात का स्पष्ट संकेत खुद राज्य के मंत्री ने दिया है, जिससे देशभर में एक नई बहस छिड़ गई है।

सरकार का प्राथमिक तर्क यह है कि बच्चों को मोबाइल की गंभीर लत, हानिकारक कंटेंट और सोशल मीडिया के कारण पैदा होने वाले मानसिक दबाव से बचाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। अधिकारियों का मानना है कि कम उम्र में सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग बच्चों के संज्ञानात्मक विकास और व्यवहार पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। हालांकि, यह फैसला अभी शुरुआती चर्चा के चरण में है और पूरी तरह लागू नहीं हुआ है, लेकिन इस प्रस्ताव ने अभिभावकों, शिक्षकों और नीति निर्माताओं के बीच हलचल पैदा कर दी है।

गोवा सरकार के अनुसार, आजकल बच्चे बहुत ही कम उम्र में मोबाइल और सोशल मीडिया के आदी हो रहे हैं। स्क्रीन के सामने घंटों बिताने से न केवल उनकी आंखों और नींद पर बुरा असर पड़ रहा है, बल्कि उनके सोचने की क्षमता भी प्रभावित हो रही है। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया पर उम्र के लिहाज से अनुपयुक्त वीडियो, गलत जानकारी और अजनबियों से होने वाले संपर्क बच्चों के लिए जोखिम भरे साबित हो रहे हैं। साइबर बुलिंग और ऑनलाइन उत्पीड़न की बढ़ती घटनाएं भी सरकार के लिए चिंता का एक मुख्य कारण हैं। इन्हीं सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को देखते हुए सरकार 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को इन डिजिटल मंचों से दूर रखने की रूपरेखा तैयार कर रही है।

गौरतलब है कि गोवा सरकार का यह विचार वैश्विक रुझानों से प्रेरित नजर आता है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगाकर एक मिसाल पेश की है। वहां बच्चों को इंस्टाग्राम, फेसबुक और टिकटॉक जैसे ऐप्स के इस्तेमाल की अनुमति नहीं है। ऑस्ट्रेलिया सरकार का तर्क है कि ऐसे नियमों से बच्चों का बचपन सुरक्षित रहेगा और वे आभासी दुनिया के बजाय किताबों, खेलों और अपने परिवार के साथ अधिक समय बिता सकेंगे। गोवा भी इसी मॉडल को अपनाकर बच्चों को एक स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

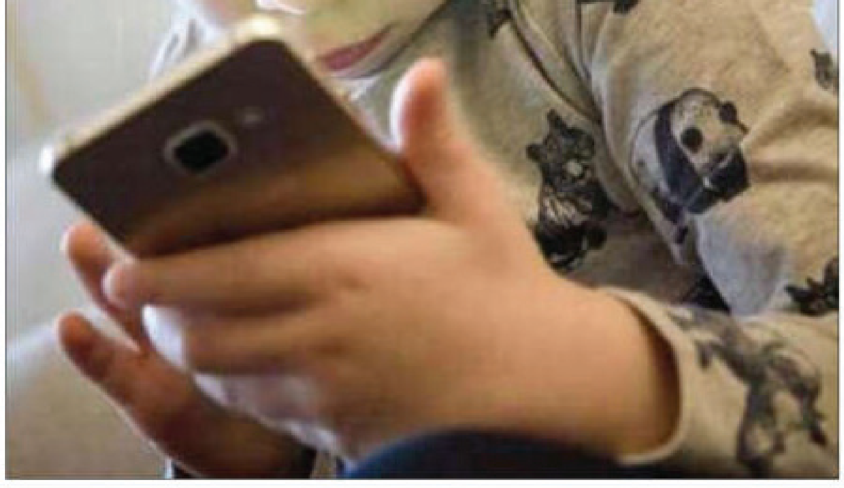

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com